उलहन

उलहन

(विहनि कथा सग्रह)

कापलस्वर रउत

श्रुत प्रकाशन
दिल्ला

ISBN :

गाम-पोस्ट- बेरमा, भाया- तमुरिया, जिला- मधुबनी, मिथिला, बिहार
पिन- ८४७४१० मोबाइल- ९९३९९९७७५७

मूल्य : भा. रु. □□□/-
□□ल संस्करण : □□□□

श्रुति प्रकाशन

□□स्टड आफिस : □/□□, न्यू राजेन्द्र □□□, □□ □ल्ली- □□□□□□.
□□□□- (□□□) □□□□□□□□-□□ फक्स- (□□□) □□□□□□□□

Website : http://www.shruti-publication.com
e-mail : shruti.publication@shruti-publication.com
Printed at : Ajay Arts, Delhi- □□□□□□

अक्षर संयोजन- श्री अखिलेश मण्डल, गाम- बेरमा

Distributor :
Pallavi Distributors, Ward no- □, Nirmali (Supaul), □□.
□□□□□□□□□□, □□□□□□□□□□

***Ulhan** : A collection of Maithili short story*
By *Sh. Kapileswer Rout.*

दू शब्द

प्रस्तुत कथा सग्रहक न[illegible] त कथाकार श्री [illegible] लस्वर [illegible], [illegible] [illegible]-प्रसून [illegible] [illegible]क प्राणा हबाक कारण [illegible]। मुदा समाजाक उ[illegible] [illegible] स्पष्ट [illegible]

[illegible]लाचलक वा[illegible] क दशन आ सनातना द्या[illegible] [illegible]-[illegible] पद्या[illegible] [illegible]-[illegible] [illegible]द्राह [illegible]वाय भ[illegible] [illegible]

कथाकारक स्पष्ट [illegible], [illegible] [illegible]-वस्तु [illegible]

कथाकारक उत्साह [illegible], [illegible]

जगदाश प्रसाद मण्डल
[illegible]

अप्पन बात

□□□ □□□□□ □□□ □□□□ □□□□□, □□□□□□□ □□□ □□□□ □□□□□ □□□□□ □□□□□ □□□□ □□□□□□□□□□ □□-□□□□ □□ □□□□ □□□ □□□□ □□□ □□ □गल गाबा। तान भाइक भयारा आ □ □□.□. □□□ □□□ □□□□ □□.□.□ □□□□□□□□ □□□ □□□ □□□□ □□□□□ □□□□ □□□□ □□ □□□□-□□□□, □□□ □□□□□ □□ □□□□ □□ □□□□ □□□ □□□□ □□□□ □□न पन्ना (लक्ष्मा □□□) छह मासक बटा लाल कुमारक □□□ □□ □□□ □□□□ □□□□ मृत्यु □□ □□□□ □□-□□□□□ □□ □□ □□□-□□□ □□□□ □□-□□ □□□ □□□□ □□□□□ □□□ □□ □□□ □□□□□ □□□स्था□ □□□ □ □□□□□□ □□□ □ □□□□□ □□□□ □□□□ □□□□ □□□□ □□ □□□□

श्रा जगदाश प्रसाद मण्डलक नतृत्वम कम्यु□ष्ट पाटाक कायकता □□ काज करा। बहुत रास माकदमाम पाटाक सद □भक फसाल गल। हमहू फसाल गला। पाटाक पाथा सभ पढ़ा। एकटा स्कू□, □□□ □□द्यालयक उद्घाटनम भाग लला। आतए □□ □□□ वकतव्य □□ए। स्कूलक प्राचाय बादम कहल , अहा कान '□-□-□□'मे बजलौं। हम कहलि□□ □□□□□□ □□ □□□□□□ □□□□ □□□, □□□□□ □ □□तौं तँ कि □□□□ □□□□ □□तौं।

श्रा प्रकाशनस प्रका□ □ जगदाश प्रसाद मण्ड□ □□□ □□□□ □□□ (□□□ □□□□, उत्थान-□□□, □□□□□ □□□□ □□, □□□□□□ □□□ □नगाक जात इत्या□) □□ □□□□ पढ़लौं □ □□□□ □ज्ञासा भल । □ □□□□□□□

तइ समम श्रा गजन ठाकुर मण्डलजा स भट करए बरमा एल , हमरा भट भल, □-सप्प □□□□ □खक उत्सा□ □□□□□ □□□□□□ □□□□□ □□ □□□□ श्रा गजन्द्र ठाकुर आ जगदाश प्रसाद मण्डल जाक।

प्रा: □□ □□□□ □□-□□ □□□ □□ □खए लगलौं। मि□□□□ एक मात्र सवहारा मच "□□□ □□□ □□□ □□□" कथा गाष्ठाम □□-□□□

लगलौं। लघुकथा, □□□□ □□□ □ □□□□□ □□दह इ पा □□ □ □□□□-सदह पा: काम प्रकाश □ □□□ □□□□ आरा उत्साह □□□□

□□□□□ □□ □□□□□ श्रु प्रकाशनक श्रा नागन्द □□□□ □□ □ □□□ □□□□□क ज पाथा रूपम हमर लघुकथा सभक □ □□ अहा □□□□ □□□ □□ □□□□□□□ □□□□□ □□ □□□□□ श्रा उमश मण्डलक ज कथा सभक सलया कलान □□-सग श्रा गजन्द ठाकुरक बर-□□ □□□□□□

□ □□□ □□□ल लघुकथा सग्रह छा। आशा कर छा ज अहा सभक पढ़म नाक लगत। कथाक दृष □□□ □□□□□ □□□ □□□-□□□□□ □□ □□□-कुरातक □□□ दखबाक चष्टा केलौं अछि□ □□□□ □□□□ □□□ □□□ □□□□ □□□□, सुझाव दबाक कष्ट □□□□

अहींक-

□□□लस्वर □□□□

□□□कोपाजन- □□□

सम्पक-

□□□- □□□□, □□□□- □□□□□□

□□□□- □□□□□, प्रखण्ड- □□□□□

□□□□□-□□□□□□□

□□□□□□-□□□□□□□□□□□

एकसत्तार-

१. वंश

२. उलहन

३. थरथरी

४. भोग

५. कुमारि भोजन

६. कातन आ सम्मेलन

७. मूदा

८. सतमाए

९. तकरीर

१०. पान

११. मई दिवस

१२. भूख

१३. बेथा

१४. किसानक पूजी

१५. छूआ-छूत

१६. कलियुगक निणए

वंश

परशुरामक ाबआह भना दस साल भऽ गल छल। [illegible], जदुवार बाबूक एक मात्र लड़का। पुत्रा दूटा हुनका लाकानक शादा [illegible]-धामस परशुरामक ाबआह काशल्या सग कलान। काशल्यक ापता धना-[illegible], समाजम अलग मान प्रातष्, काशल्या [illegible]-मस्ता सग काशल्य [illegible] बरख भऽ गल मुदा काश[illegible] क एकाटा [illegible] वा पुत्रा न भला[illegible] डाक्टराआ इलाज क [illegible], [illegible]

सासु अजना फुट्ट कलहन्त रहए लगला। ज वश आब लुप्त [illegible] गल। आम्हर जदुवार बाबू सहा दुखा रहए लगला। एतक सम्पात भागत। काशल्याक माए-बाबू फुट्ट दुखा रहए लगला। सर समाज [illegible]-सप्प जहा-तहा बज छल। काशल्या[illegible] [illegible]-धाक छाड़ स्वामा परशुरामस कहलव -

“स्वामाजा एकटा बात पुछ ?”

[illegible]-

“[illegible]-अहाम काना [illegible]”

काशल्या [illegible]-

“[illegible]-पुता नाहय हएत। ाकएक न अनाथालय एकटा बच्चाक आान पुत्र बना ला ”

□□□□□□-

"अहा पागल त न भऽ गला।"

काशल्या-

"□-□ □□□ □□ □□□ □□ □□न हरज छ। हमरा अहाक पुत्र □□ □□□□ □□□-ससुरक पाता भऽ जतान वशक चलब □□□□□ □□ □□□□□"

□□□□□□ □□□□□□ □□□□-

"अहा पगलाए गला। हम एम ाकछु न बाजब। लाव □□□?"

काशल्या ाहम्मतस काज ललान। ावहान भन ससुर जदुवार ब □□ □□ □□□□□□-

"□□□□□ □□□□ विचार लइले एलौं हेन। की आदेश दइ छी।"

□□□□□ □□□-

"□□□ □ □□ □□ □□□ □□□□"

काशल्या-

"□□□□□ □□□□ □□□□□ □□ □□□□-□□□ □ □□□ □ □□□□ □ अनाथालयस एकटा बच्चाक आान पाइस पुत्र बना ला "

□□□□□ □□□ □□□ □□□□ □□□□ □□□□-

"□□ □□ □ □□ □□ □□□ □□□□ □ नै भऽ गेलौं। केतए हमर □□□□□ □ □□□ □□□□□□□□ □□□□□□□□ □□□ □□□□ □□□ बच्चा हएत तकरा अहा गाद लब। डामक हएत आाक चमारक, □□□□□ □□□ □□□ □□□□□□□, अवध सम्बन्धक □□□ □□□ कन्या कुमाराक। हमरा अहा पागल बना दब। इ ावचार हम न □□□"

काशल्या-

"□□□□ □□ □□□□क त जरूरा छ। कान सर -□□□ □□□□□ अहा डुमल छा घुरन बाबूक न दख ाछयान त -□□□□ □□□, □□□ □□□ □ □□□□ □□-सन। तानू बटाकक घुरन बाबू पढा-□□□ □□□□ □□□ □□ □□□□□ □□□ □□ □□□ □ बुढ़ाक तानूम स ाकया द -□□ □□□□ □□ □□□ □□□□ □□-□□, □बू माएक छाटकाक ावचार त भया साचत □□□□ □ □□□□ □□□□ □□□ □□□-□□□ □□□□ □□ □□□□□ □□ □□□□ □□□□□ □□□□ □□□ □□□ □□□, □□□□□ □□ कहा पहुलका नाकर ाबलताया दुसाधक घुरनबाबूक वृद्धा आश्रम न जाए दलकान आ सवा टहल रहल छान्ह□ □□□ □ □□□□ बाबूक छान्ह □□□ □□□ □ □□ अमारका आ फ्रासम रह छाथ कहाद आत्त दुनू ाबआहा क ललान। कतक उदाहरण दब अपन पुत्र त कुपुत्र □□□□□"

□□□□ □□□ □□ □□□ □□□ □□□ □□□ □□□□ □□□□-

"□□ □□□ □□□ □□□"

"कहलौं तँ ठीके।"

काशल्या-

"□□□□, □□□ □□□ □ □□□□ □□□□ □□□□□ □□□ □□□□□□ त कहब ज अनाथआलयम ककरा बच्चा हाइ तइस व, □□□□ बच्चा त □□□ □□ हमरा आ स्वामाक पुत्र भऽ जाएत। अहाक □□□ □□ □□□□, एकटा बच्चाक पाल -□□□ □□ □□ □□□ परम्परा कएम भऽ जाएत। हमरा माए-बाबूक नाात भऽ जाएत□"

□□□□ □□□-

"धन्य छा काशल्या। आइ अहा हमर आाख खाोल दला। जाउ आ स्वच्छास अनाथालयस बच्चा लऽ आनू"

काशल्या -

"बाबू आइ बच्चाक श्रवण कुमार जका -□□□□ □□ □□□□□ □□□ □ □□□-□□□□ □□□□ □□□ □□"

□□□□□ □□□-

"आब आधक न कहू। हमर आसरवाद हमशा अह □ □□ □□□□ □□□ □□□ □□ □ 'पु: -कुपुत्र त ाकए धन सचय -सपुत्र त ाकए □□ □□□□"❍❍

उलहन

□□□□ □□□ □ □□□□ □□ □□ □□ □ काल्हि तक एक रूप लल जमान्दारस वा काना मालिक लग दताखसड़ा करत रह , □ □□ □□ □□-पगहा ताड़ कऽ दल , □□□, कलकत्त , बम्बइ, □□ □□ □ □□□□-□□□□ □□□ □□□□ □□□ □□□-□□□ □□-□□□□ □□□-लत्तास लऽ कऽ रूपआ , आकर सस्कारा बदाल गल जकर बाप काहया स्कूलक मुह न दखलक तकर बटा अपना -पुताक कनभण्ट स्कूलम पढ़ा रहल आछ।

□□□ □□-छान गिरहस्त □□□□□ □□□□ □□ □□□□ □□□□□ जाए हर जातल स एक डढ़ बज दिनम आबए। काहया मरूआ □□□□ □ □□□□ □□□□, □□□□ □□□□ □□ □ □□□□ □□□□□□□ सभ दिन काज करत दहक हार जागि गल। शकरक पाचटा धिय -□□□, □□□□ □□□□, □□□ □□□□□ बटाक नाआ छल , ज्ञानच , धानचन्द्र, रामचन्द्र। आ बटाक नाआ छल चन्द्रक □ सुग्गावत, □□ □ □□□□ □□ □□□□ बटा सभम ज्ञानचन्द्रक दूटा लड़व , धानचन्द्रक दूटा लड़का आ रामचन्द्रक एकटा ल , शकरक पन्ना बसुन हारदम -पुतक □□□-टिकाड़ाम बस्त। वचारा शकर बुढ़ाड़ा तक खताए व □□ □□□ □□□ □□-दाहन किम्हरा न दख छल। बटा सभ सग पूर व □□ □□□□□ □□□□ □□□ □□ □□ □□□ □□□□ □□-□□, □ □□□□ □□□□-□□□, □□□□ □□□□-□□□□□□ □ □□□□ □□□□-लत्ता लल म □□□□-□□□□ □□ □□□ □□□ □□□-□□□□ □□□-पुताक ककरा दू रूप , ककरा दस रु □, ककरा बास रूपआ दखल दइ छल। जमाना र □ □□ □□□□ □□□ □□□□ □□□, □□□ □□□ □□□□□□□ □□□□, □□□ □□ □□□□□□□ □□□□, □□□□ □□□□□□□ □□□□ □□□ □□□ □ □□□□ □□□□ □□, □□ □□□ □□ □□□-पसास काज चलब छल। पाच बाघ □□□□ □□□ □□ □□□ □□□□□ □□□□ □□□ □□□

पारवारक ास्थत दाख कऽ ज्ञान आ धानच , बम्बइ चाल □□□ □□□□ □ □-□□□ □□□ □□□□-□□□□ □□□, □□□ □□□ □□ □□ ज्ञानचन्द्रक एकटा सठ लग अ -घरक काज भल। धनाचन्द्रक एकटा □□□ □□□□□ □□□□ □□□□ □□□□□□□ □□ □□□ □□□ □□□ □□□□ सठक पूतकरण न ज्ञानचन्द्रक खूब मान। सठक एकटा बटा छल सह सासूर बस छल। आब ज्ञानचन्द्र -□□□□ □□□ □□□, □□□ काराबारक दखए लगल सठा सभ सम्पातक मालक ज्ञानचन्द्रव दलक। ज कर सम्पातक। एम्हर धानचन्द्र खलासास ड्राइवर बान , □□□ □□□ □□□ □□□□ □□□ □□□□ □□□□ □□□ □□ □□□□□ □□□□□ खूब रूपआ कमाए दुनू भाइ। घर परहक ास्थत बदाल गल। -पाच बखक बाद ज्ञानचन्द्र घर एबाक जागार कलान। सठस □□□□□□-

> “□□□□ □□□□ □□□ □□ □□ □□□□ □ □□□□ □□□ □□□□ □□□ □ □□□□□ □□□ □□□□ □□□□ □□ □□□ □□□ □□□□□”

□□ □ □□□□ □□□ □□□□-□□□ □□□ □□ □□□□ □□□ □□ □□□□

सठ अपना ादसस सभ समागल पच्चास हजार , □□□□-लत , पाच ाकला ामठा , □□□-□□□□ □□-पन्ट, ज्ञानचन्द्रक घरवालाल □□□□ □□□□□ □ □□□□ □□□□ □□□□ □□□□ □□□□□ □□□ □□□□ □□ □□□□ □□ □□ ज्ञानचन्द्र घर ावदा भल। तान ादनक बाद आएल। पाहन त गामक लाक ज दख ज्ञानचन्द्रक आश्चया लग। ाकए त टम्पूस आएल छल। दहा दशा बदलल। तहूम आाखम चश्मा लगान □□ □□□□ □□-बापक गार लगलान। माएक गार लागत माएक आाखस सानक बून जका नार खसए लगल ज्ञानचन्द्रक घरवालाक पएर □□□□□□ □□□□ □ □□□ □□-पट खाना तयार भल। ज्ञानचन्द्रा कल जा स्नान साबुनस कलान। भाजन भात खला पछाात समान बाबू आ माए लग पसाार दलकान। तानू ादयादनाक कप -लत , □□□-□□□□ □□□ □□□□-लत , □□□□ □□□-□□□-ब्लाज, □-□ सट। बाबूल कूताक कपड़ , □□ □□□ □□□, एकटा चद्दा , □□□□ □□□□, पएरल जुत्ता। सबहक लल

ज ज समान छल सभक दऽ दलक बादम मिठाइबला पाकर □□□□-□□□□ □□□□ □□□ □□□□ □□□-□□ □□ □□□□ □□□ □□□ □□□ □□□□ □□ □□ □□□ □□□□ □□□ □□-बाबूक लगम बजा कऽ पच्चास हजारक एकटा गड्डा रूपआक दलक। बाप रूपआ काहया दखन , स अच्मभा लाग गलान, □□□-

"तोहीं राखऽ ने जेना करैक विचार हएत तेना करब।"

"नै बाबू अहीं राखू।"

माएक हाथम पाच हजारक गड्डा दलक सभ दियादनाआ क □□□ □□□□ □□□□ □□ □□-गद। एक दिन दुनू बापूत रामचन्द्र घूर लग आग तपत रहए। तखन ज्ञानचन्द्र बाबूक कहलव -

"□□□□, □□□ □□ □□ □□□-पुता रहा तखान हमरा सभक □□□ □□ □□○□□ □□□□"

बापक पाछला □□□□ □□□□□ □□ □□ □□□ □ □□ □□□ □□ □ □□□ □□□□ □□□□□ □□ □□□□ □□□ □□ □□□ □□□ □ □□□□ □□□ □□ □□ □□□ □□□□ □□□-

"□□ □□□□□ □ □□ □□ □□□ □□□-□□□□□ □□□□□ □□□ □□ □□□ □□ □□□ □□□ □□□ □□ □□□ □□□ □□□ □□□ □□ □□□ □□□ □□□ □□ □□□, □□□ □□ □□-□□□□ बखक रहा त हमरा डारम एकटा भूरहा पाइ छल ओ डाराडारम गाथ कऽ पाहारन रहा। राब दिन □□□ □□-बाबूक कहन हऽ-चन्दसर बाबाक दशन करल चाल गला □□□ □ □□□ □□, डारम एकटा पाइ आछ। जखान म -बाबूक पत्ता लगलान ज छाड़ा हड़ा मला दखए गल हन तखान □□□ □□□ □□ □□ □□□ □□ □□□ □□ □ □□ कलकातया आम पठा दलान। ताब हम पाइक मूरह -□□□□ □ लाय कीनि नेने रही। हमरा जखनि गौंआ देखलनि तँ बिगरबो

□□□□ □ □□□□□ □□□□ □□ □□□□, □ □□□ □□□ □□□□□ □□□
□□ □□□ □ आम खेलौं आ लाय मूरही कचरी घरपर नेने
एला। कहक मतलब समक ाहसाबस न लाकक -□□□
बदल छ। जतकटा टाग रहत ततनाटा न ाबछाना चाहा। सुनह
□□□ □ □□□□ □□□□ □ □□ □□□ □□□ □□ □□□□ □□□□
□□□ □□□□□ □□□□ □□□ □ □□□□□ □□□ □□□ □□□ □□ □□
□□□□□□’ □ □□□ □□ जखान दू बाघा जमान आ दू सर अन्न
घरम आछ त हमहा पाच ाकला अनाज आाक एक सए रूप
दइ ाछए बाइनम। आब ताहा कहऽ तारा लाकानक कम क
□□ □□□□□□ □□□□□ □ □□□□ □□ □□□□□ □□□□□ □□ □□□□□
महत छल महगाइ बढ़न वहए दू टाका अखान सा रूपआ
□□ □□□”

ज्ञानचन्द्रव बजलासन पछतावा हाइ। वचाराक ठकमुड़ा लाग गल। □ □□ □□□ □□ □□□□

ठकमुड़ा लगल बटाक आाख पाछत बाप बाजल-

“□□□ □□□□ □□ □ □□□□ □□□□□□”❍❍

थरथरी

□□□ □ □□ □□□□ □□□□ □□□। गृष्म, वषा, □□□, हमन्त, □□□र आ वसन्त□ □□□ □□□□□□ □□□ तानटाक मान छ गरमा, वषा आ जाड़। सभ ॠतुक अपन अ□ -□□□ □□ □□□□ □□□ □□ □□□ जाड़क एकटा अपन अलग गुण अवगुण अ । कान भगवान जाड़क □□□ □□□□ □ □ □□□। आन ॠतुम त लाक ह□-□□□□, □□-□□□ □ वषाक फूहारक आनन्द □□ □□ □□□ □□ □□ □□□ □□□ □ □ढ़क कपा दइ छ। गराब लल मारूख आ कक वास्त □□□□□□ □□ □□□ □□□□

□□□ □□ □□□ □□□ □□□ □□□□□□□ □□ □ □□□□ □□ □□ पटबल गल। समए छल माघ मासक शुरूआतक। □□ □□□□□.□ □□□□□□ □□ □□□□ □□ □□ □□□ □□□□ □□□□ □□□ □□□□□ □□ □□□□ □रूजा भगवान कतए नुका रहला तकर ठकान न। कुहस लागत □□□□ □□□क बून जका वफ झहरत रहए। लाक हारदम घूर लग आग □□□ □□ □□□ □□□□□ □□□-□□□ □□□□ □□□-जालक पाठ पाजर बस गल। आ बमारा पड़ए लगल। तन्नुक □-□□□□□ □□ □□□□□□ □□□ लगल। साप सभ काना □□□□ □ □□□□ □□□□ □□□□ □□□ □□□□ जानाइ लाकक कठान भऽ गल। एक पनराह□□ □ □□□□□□ □□□ □ □□□ □□□ □□□

□□□ □□□ □□□ □□□□ □□□ □□ □□□ □□□□ □□□□ □□□□□□ □□□□ □□ □□□ □□□ □□□गम जखान पम्पस□□ □□□ □□□□□ □□□ □□□ धऽ ललक। पलास्ट□ □□□□□ □□□ लऽ गनाइ छल स जहा □□ पाइप पम्प□□□ □□□□□ □□□ □□□ □□□ □□□□ □□साम फूच्चूका □□□□□ □□□ घुटर आ जाखन दुनू गाटाक भाजा दलक। तथाप □□□ तरह पाइपक बान्ह ललक। जाड़ दुनू गाट थरथर कापए लगल। घुटर □□ □□ □□ □□□□□□ □□□ □□□ □□□□ □ □□□□ □□□□□ □□□

बगलम कलमवाग छल आतए नार राखल छल जइमस एक पाज □□□□□□□ □□□□□ □□ □□□ □□□□ □□ □□□□ □□□ □□ तहन जाड़ हाइत रह ज सलाइक काठा खड़ल न हाइत हाइ। थरथरास □□□□ □□□ □□□ □□□□ □ □□□ □□ □□ □ □□□ □□□□□ □□□ □□□ □□□, काना तरह आाग □□□□ □□ □□□ □□ □□ □□ □□□ □□□□ □□□ □□ □□□□ □□ □□□□

□□□□□ □□ □□□ □□□ □□□□ □□□ □□ □□ □□ □□, □□□ □□□-जुत्ता लगा , जाधम ट्राजर दन कानम माफलर लगान तपर माथम टापा दन आाखआम चश्मा □□□□ □□□ □□ □□□□□□ □□□ □□□ □□□ □□ □□□ □ □□□□□ □ □□ □□□ □□ □□□ □□□ □□। सुरशाबाबू हाथ महक दस्त □□ □□□□ □□ □□□ □□□□ □ □□□-

"□□□ □□□ □□□ □□ □□ □ □□□ □□□ □□□ □□ □□ □□□ □□ □□□ □□□ □ □□□ □ □□ □□ □□ □□ □□□□"

□□□ □□□-

"□□○□□□, □□□□ □□□□ □□□ □□□□ □□□ □□ □ □□□ □□□ □□, दासर सरकाराक बवस्था □□□ □ □ □ □□ □□□□ □□□ □□□□□□ □ □□ □□□□□□ □□□ □□ □□ □□□ □□□ □□ □□□ □□□□ □□□ □□□ □□ □□ □□□□□ □□□□□ □□ □□□ □□□ □□□ □□ □□□ □□□ □□□ □ □□□ □□□ □□□ □□ □□□ □□□-□□□ □□ □□ □□ □□□□□□ □□□ □□ □□□ □□□□"

□□□□□ □□□-

"□□ □ □□ □□क्कत हाइत ह ?"

□□□-

"□□ □□□□, की कहौं। खएर जाए दि□□ □□□□ □□□ □ □□□□ □□□□□□ □□□□ □□□ □ □□□□ □□□ □□ □□ □ □□□□ अहा सभ कपड़ा लगाए , □□□□□ □□□□ □□□ □□□ □□□□ अहू सभक जाड़ पछारब करत।"

□□□□□ □□□□□□ □□□□-

"□□□ □□□"

□□□-

"□ □□ □□□, □□□□, □□□ □ □□□□ □□□ □□□□□"

□□□□□□-

"ठाक कह छ।"

□□□-

"□□□□, हमरा सभक कान आछ□ □□ □□□□□ □□ □□□ □□□□ □□ □□□ □□□ □ □□□ □□□□ □□ □□ए आ चद्दर आर □□ □□ आ तखना ज जाड़ हाइए त झट्टास बनलहा प □□-□□□□ □□□ लइ छा। बगलम गारहन्ना आ ख -मड़ड़नक आर□□ □□ □□□ □□ □□ □ □□ □ □□□□ □□□□ □□ □□□□ □□□ □□□□ सुनगत रहल घर गरमाएल रहल। अहाक त बुझल हएत □□□□□ □□□ □□□ □□□ □□ □□□□ □□ □□□"

□□□□□□-

"□□□ □ □□□-कण्डाश□ बना कऽ घरम रह छ। बड़ नाव □□□□ □□□□ □□□ □□□□ □□ह। न त सत्ता डाक्टर जका □□□ □□□□ □□□□□□ □□□□□ □□□, कलपर कुरूड़ क □ □□□ □□□ □□ □□□ दलक। टाग-□□ कऽ डाक्ट □□ □□ □□□ □□ □□□□□ □ □□□□ □□□ कऽ राहह। बकरा आ गाएक सहा झाला आढ़ा कऽ राखह।"

□□□ □□□□□ □□□ □□□□-

“□□□ □□ □□ □□□□□□”

□□□□□□-

“□□ □□□, □□□□-पुताक हा□□-□□□□ □□□□□ □ □□□□ □□□ □□ □□□□□”

□□□-

“□ □□□□ □□□□□ □ □□□। खन गुल्ला डण्टा, खन □□ □□ □ खन कबड्डा खलाइत रहए। का करब। हम त कहब न करब □□□□□□”

□□□□□□-

“□□□ □□ □□□□ □□”

□□□-

“□□ □ □□□ □□□ □□□-धन्धामे लागल रहलौं। अहीं सबहक □□□□ट्टाम बासक आइद उखा □□□-□□□ □□ □□ □□□ □□□ □□□ □□□ □□□ □□□□ □ □□□ □□ □□□□□□□ □□□ □□□□ □□□□”

□□□□□□-

“ठाक कर छ। जान छा त जहान छा। □□□□ □ □ □□□ □□ अच्छा एकटा कह ज यागासन कर छ आाक □?”

□□□-

“□□ □□□□, हम मूख आदमा का जानए गाल□ □□□□□ □□□ □□□□□□□□ □□□□ □□□ □□ □□□ □□□□□ □ □□□□□□ □□□ □□ □□□□□ □ □ □□ □□□□□ □□□□”

□□□□□□ □□□□-

“□□□ □□□ □□□ □□□”

□□□-

“□□□□ □□□□□ □□□-□□□ □ऽ कमेलौं, खूब धान कटलौं □□□ □□□ □□ □□□ □□□ □□□ □ □□□□ □□□□ □□□□ □□□ □□□□ □□□, □□□ □□□, □□□□ □□□, □□□ □□□ □□□□ □□□□ □□ □□ □□□ □□या काल अल्लू, □□□, भाटा, □□ □□□ □□□□ □□□□ □□ □□ □□ □ □□-□□ □□□ □□ □□□”

□□□□□□-

“तहन त नाक वस्तु सभ खाइ छ।”

□□□-

“अहा सभ जका का अण , □□-□□□ □□□ □□-□□□ □□□□ सभक भट □ □□□□ □□□□ □□ □ □□□□-□□□ □□□, भादवक वषा आ माघ मासक जाड़स ठाक -□□□□□ □□□□ अहा सभ जका का गाइद परहक बास जका माटगर न □□□ □ □□□□ □□□ □□ □□□□ □□□□□ □□□ □□□ □□□ □□ □□□ ह अहा सभ जका प -□□□□ □ □ □□□ □□□ □□□ □□ □□□ □□ □□□”

□□□ □□ □□□ □□□□ □□□□□□ □□□ □□□ □□ □□ □□ □□□ □□□ □ □□-सप्प □□□ □□□□-

“□□ □□□□□, अहा सभ जका का हमरा सए बाघा खत आ□ □ लऽ दऽ कऽ अपन दस कट्ठा खत □ □□□□ □□□□□-□□□□□, □□□ □□□□-□□□□, □□□ □□-□□□ □□ □□□ □□-गहुम तँ अहीं सबहक खेतमे मनखप कऽ के गुजर करै □□□”

[illegible]-

"[illegible] बड़ जाड़ हाइ छ जल्द [illegible]"

[illegible]-

"[illegible]ल्ला-बम्बइ नै ने कमाइले गेलौं। देखै छि[illegible] [illegible]क अहीं अपन दशा देखि[illegible] [illegible]न बूढ़म कन्ना कऽ भानस भात करत हता स वएह जनत [illegible]"

[illegible]-

"[illegible] हत छ। कखना कऽ हमरा मनम हाइत आछ [illegible] कथीले एते कमेलौं आ एते जमा केलौं। अच्छा [illegible]"

[illegible] ❍❍

भोग

सानाइक सात बाघा खत छलान, [illegible] -लखल न मुदा गिरहस्ताम पार छला। बटा रामदव आइस चालिस बरख पूब मिडल पास कन छल रामदवक प -ज्ञाना गिरहस्तक बटा तए बड़ कमासूत। सानाइक [illegible] चचाक विषय बनल रहए। खताए बल सानाइ अस्सा हजार इटा अ घर बनालक। एम्हर रामदवक तानटा पुत्र आ एकटा लड़का काशल [illegible], [illegible], [illegible] कुमार। तानू लड़काम रामदवक बड़ जार छलान हमरा धि -[illegible]- लिख नाकरा चाकरा करत मुदा प्रकृतव डाग तहन न पड़ल ज जवानाम कराब पतास बखक उमरम लकबा बिमारास मार गला। आब त पारवार हतात्सा [illegible] कऽ खास परए आ डाार पात -भिन्न भऽ जाइ , [illegible]-पुता सभ छलान पनरह बखक, [illegible] बखक, दस बखक आ लड़काक उमर मात्र पाच बरख। [illegible], माए घुरनाक वरसातक समम एकटा डन टूाट गल छलान [illegible]

[illegible]! [illegible]-पुताक पढ़नाइ-[illegible] बाद दादा घुरना सहा मार गलान। करणक बिआह भना मात्र छह बर भल छल एकटा लड़का भल छल। छह माहना पछाात करणक र [illegible]

भल हाान्ह भगवान जनत। तहन हालातम एक ादन सानाइक पटझ
□□□□□ □□ □□□□□ □□□□ □□□□ □□□ □ □□□ □□□□□ □□□□□ □□□□-□□□
□□□□□ □□□□□□ □□ □ □□□□□□ □□□, □□□□ □□□□□! □□□□□□□
ास्थतम लऽ अनलकान। ए र करण झझारपुरम प्राइवट मुशाक का
□□ □□□ □□□ □□□ □□□□ □□□□ □□ □□□ □□□ □ □□□ □□
□□□-पाच पास रसगुल्ला नन अबत रहए। बाबाक छाता जुड़ा जान्ह □□□
त मार गल पाता त बट □□□-□□□ □□ □□□ □□□□ □□□
□□□□□ □□□□ □□□□ □□□ □□□ □□□ □□□ □ □□ □□□□□ □□□□
सएह ास्थत सानाइक भऽ गल छल। क -□□□ □□ □□□-□□□ □□□□□-
□□□ □□ □□□□ □ □□□ □□ □ □□□□ □□□□ □□□ □□□□□□ □□
ादन माझला पाता जुग कुमारक ससुर घनश्याम बाबू झझारपुरस
□□ला पचमर मठाय लऽ कऽ बुढ़ाक मान जमाएक दादाक दखल एला।
बुढ़ा त अपन बहाश भल पड़ल छला। घनश्याम बाबू आबत दादाक गाड़
□□□□□□ □□□□ □□□□ □□□□-

"□ □□ □□?"

धनश्याम बाबू उत्तर दलाख -

"हम छा धनश्याम।"

"□□□ □□ □□□□-□□□ □□ □□□-□□ □□□ □?"

"□ □□ □□□-□□□ □□□□"

घनश्याम बाबू कना रू □□ □□□□□□-

"अहाल थाड़क मठाय अनन छा कना खा लया।"

सानाइ उत्तर दलाख -

"□□ □□□, आब ाचत न मानए। काना वस्‌क खक इच्छा न कर आछ। आब भगवानक काहयनु ज उठा लता। ाकएक बड़ कष्ट हाइत आछ। ाध -पुताक □□□ □□□ □□?"

घनश्याम बाबू -

“[illegible]”

[illegible]-

“[illegible]”

घनश्याम बाबू-

“[illegible] खा लिअ। इ रसगूल्ला छिए ”

[illegible]-

“[illegible] रसगुल्ला नन अब छल बहुत खए -पीलौं। आब की खाएब मोन [illegible]”

घनश्याम बाबू-

“[illegible]”

[illegible]-

“अहा महा बुड़ि [illegible]”

[illegible] बस गला आ घनश्यामक हाथ स मिठाइक डिब्बा झपाट ललाखन। किछु [illegible]-

“[illegible] कतए गल? [illegible]”

घनश्याम बाबू त बाक भऽ गला। सानाइ बजए -

> “जखनि खाइबला छेलौं तँ कहियो भेल जे किछु लऽ जा कऽ बाबूक ादयान आ आब जखान खाइबला न छा त बज छाथ ज इ रसगुल्ला छ , □ □□□□□□□ □□, □ □□□□□ □ □ □□□□□□! □□ □□□□ □□□□ □□□□ □□ □□□ □□ □□ □□□!”

घनश्याम बाबू कथा बजता। बक -□□□ □□ □□□ □□□□□□ □□ □□□ □□□□ □□□ □□□□□□-

> “□□□ □□□□□ □□□ □ □□□□□ □□□□□ □□□ □ □□□□□□ □□ □□□□ □□□ □□□□□□ □□□ □□ □□□ □ □□□□ □□□□ □ पृथ्वापर स भाग उाठ गल। भगवानक काहयनु ज उठा लता □□□ □□□□ □□ □□ □□□□ □□ □□ □□□□ □□□ □ □□□□ □□□ □□”

काह ठाम बिछानपर आघरा गला। घनश □ □□□ □□□□ □□□□, □□□ □□□ □ □□□□ □□□□□□❍❍

कुमारि भोजन

मखनाक माए ासयावता दुगापूजाम साझ दइल कतास एक पाथर ाचकना मााट अनन रहए। कलशथापनास पाहन एक ादन दूगा ना जता आ आहा ादनस दूगास्थानम -□□□ □□□□ □□□□□□ □□□□ घरक स्त्रागण रहए एकटा बटा भल , बाप सापकटाम मार गलाखन। □□□□ □□□□ □□ □□□□। उमर कराब पसठ बखक रहान। बाः -□□□ □□ □□ □□□-बसर कर छला। काना तरह तानू-बटाक ाबआह कलान। बटा सभ सासुर बसए लगला। मखना जखान बच्च रहाथ दूगाजाक पूजा कर □□□□□। मनम रहान बच्चा सभ तरह ानराग अ सूखा सम्पन्न रहत। मुदा तानू बटाक ाबः क खचम तना न काढ़ तााड़ दलकान ज जमान्दारक चगुलम फास गला। जमान्दार इन्द्रका तहन न चठ ज जन बाानहारक गाार फजह , लाभ लालच कज दऽ कऽ फसौंने रहै छल। तथापि सियावती अपन नेम-□□ □ □□□ □□□□ □□□□ □□□□-बुताक परूख न रहलान त बसाकाल □□□□ □□□□ □□□□ □□□ □□□□ □□□□ □□□ □□ □□□□ □□□□ □□□ □□□□ □□□□ □□□ □□□ □□□ □□□□ □ □□ □□□□ □□□ □□□ □□□ □□□ □□□ □ माएक माए बुझत। अखुनका मजदूर जका न ज कमा कऽ अब □□□□□ □□□□ □□□□-दाः □ खच कऽ लत। ह आकरा बाड़ा पाबव □□□□ □□, □□□ □□□□

कलशथापनक बाद खष्ट □ □□□ □□□□□□ □□□, सप्तमाक भगवताक ाडम्हा पड़त। आाख दला पछाात अष्टमा ादन ानशापूजा हाइए। नमाक साझम जखान ासयावता साझ दऽ कऽ एला त सजय पुछलकान-

> “□□□, तू त सभ ादन दूगास्थान साझ दइल जाइ □□□□ □□ त साझ दइका□ □□□□□□ □□ □□ □□ □□□?”

□□□□□□□ □□□□-

“□ □□ □□□□□□□, □□□□ □□□ □□□□”

□□□-

“□ □□□□ □□□ □□□□, कह न हमहू दूगाजास माग लब।”

□□□□□□□-

“□, □□ □□□□□”

□□□-

“□, □□□ □□□□□”

दुनूम ाजद्दम-ाजद्द भऽ गल। अन्तम ासयावता कहए लगलाख -

“□□ □□□, कह ाछए ज ह दूगा महराना ाध -पुताक समाग ादह, ाविद्या ादः, धन ादह, सम्पात ादह, हमरा ानराग राखह। □□□ □□ □□ □□□□”

□□□ □□□□-

“□□□□ □, ाबना काना काज कन सभटा दूगाजा दऽ दइ छाथन, तँ तोरा की भेलौं जे नेम-□□ □□□ □□□-□□□ □□ □□□□, □ □ □□ □□ □□□□□□ □□□□□ □□□□□ □□□ □□□□ □□□ □□□ □□□□ □□ □?”

□□□□□□□ □□□□-

“□□ □□□□, तू बड़ पाखडा छह। एक्का रता बजत लाए -□□□ □ □□□ □□!”

□□□-

“□ □□□□, तोहीं कह ने एतेक पूजा-□□□□ □□□ □□□□ □□□□ □□□□ □□□□ □□□□ □□ □□□?”

□□□□□□□ □□□ □□□□ □□□□ □□□□ □□□□□ □□□ □□□ □ □□ □□□□ □□ □□□ □□□ □□□□□□-

> “बाक ाकए भऽ गल। काल्हका एकटा घटना दूगास्थानक ढ
> ाछया। का ामठुआक माए दुलारा ब्राह्मण भाजन आ कुमाा
> भाजन करबल दूगास्थान आएल छल। आकरा अपना घरम चूड़ा
> □□ □□□□□□ घान न छल त रताबाबूस कजा उ □□ □□
> □□□□ □□□ □□□□□ □□□ □□ □□□□ □□□□ □□□ □□□□ □
> पचास रूपए ाकला माहसक दूध तान ाकला अनलक आ
> पाड़लक। दाकानस चाना अनलक आ अष्टमा ादन
> ब्राहमण भाजन आ कुमाार भाजन करबल गल छल। सग लागल
> पाता वारन्द्र □□ □□ □□ □□□ □□□ □□□□ □□□ □ □□□□
> डाला जकर उमर आठ साल छल ऊहा गल छल। दूगास्थानम
> □□□□ □□□□, ब्राह्मण भाा , □□□ □□□□□ □□□ □ □□□
> □□ □ □□□ □ □□□! □□-एकटा ब्राह्मण कुमाार बटूक ढ
> गाटक नात मानन छल दाक्षणाक लाभम जना उजाहया च
> □□□! □□ इ ज दुलारा जखान अपना पुरहातक ठापर नारव
> □□□□ □□□ □□ □□□ □□□□, दूटा बटुकक कराक पातपर चुड़,
> □□□, ाचन्रा दऽ भगवताक भाग लगालहा लढ -□□□ □□
> □□□□ □ □□□□□ □□□□ □□□ □□□□□□□ □□□ □□□□ □□□□
> □□□ □□□ □□□□ □□□ □□□-दहा खबा। आाक दुलारा पाताक
> □□□□□ □□ □□□□ □□□ □□□ □ □□□□, चूप पाहन ब्राह्मण
> □□□□ □□ □ □□□□ □□ □□□□ □□□□ □□□□ □□□-□□□□ □□ □□
> □□□□ □□□□ □□□-बकर मुहा तक आ कनबा करए। एम्ह
> पुरहात आ कुमाार ाबना ाकछु साचन ानलज जका
> □□□□ □□□□□□ □□□ □ □□ □□□□□□! □□□□ □□□ □□ □□□□
> □□□, □□ □□□ □□, □□ □□□□ □□□□□ □ □□? का वारन्द्र
> □□□ □ □□? जखान ाक शार -□□□□□ □□□□ □□□ □□
> बरख याना रजस्वबाला हाइस पाहन काना जाातक

□□□ □□□ □□□ □□□ □□□ □□ □□□ □□□ □ □
□□□ □□□□□ □□ □ □□, □□□ □□ □□□ □□□□□
किछु र गण धनुक टालाक आ किछु स्त्रागण बरइ
□□□ □□□-पुताक लऽ कऽ कुमाार भाजन आहा दूगास्थ
करालक। ब्राह्म □□ □ □□□ □□□-पुताक कुमाार भाजन
करबत आछ। कह त एम कान पच छ ज ब्राह्मणटा क ाध -
पुताक कुमाार आ बटूक कहल जाइत आछ?"

"□ □□□, □□ □ □□ □□□"

□□□ □□ □□□ □□□-

"□ □□, जइ दूगाक तू एतक न -टमस अचना कर छाहा
□□□ □□□ □□□ □□□ □□□ □□ □□या धसान जका
सभक दख ाछहा तए तहू करए लगत छह?"

□□ □□□□□, □□, □□□ □ □□□ □□□□□ □□ □□ □
□□□ □□-□टाक इज्जत आबरू लूट लइ छल। पहुलका र -□□□□
□□ □□-□□ □□ □□□ □□ □□□ □□□ □□□□ □□ □ □□□
□□□ □□ □□□□ □□□ □□ □□ □ □□□□ □□ □□□ □□
□□□□ □□□□ □□□ □□ □ □□□□, □□, □□□ □□□ □□
□□□□□, □□□□ □□□ □□□ □ □□□ □□□□ □□ □□ □□□
□□ □□ □□□ □□□ □□□ □□□ □□□ □ □□□त जना प्रातभाशाला
□□, जहन दखम सुन्दर तहन काजाम फूातला जखान जवानापर ए
□□□ □□□□□ □□□□ □□□ □□□ □□□ □□□□, □□ □ □□□
इटक जवाब पत्थरस दलक। जतकक माहषासूर सतान छल आ
□□ □□□क सग दलक त दख ाछाहन दूगाक दसटा हाथ छ आ सभ
हाथम अस्त्र छ। सबहक सहयागक प्रताक ाछए। जखान सभ ामाल क
माहषासूरपर चढ़ाइ कलक त कतक ादन तक लड़ाइ चलल
माहषासूर मारल गल। एम्हर □ □□□□□ □□□ □□ □□□ □ □□□
□□ □□□□ □□ □ □□ □□□क नाआ दूगा राखल गल। दूगाक लड़ाइ
दस ादन तक चलल। सगठनम न शाक्त हाइ छ। सएह शाव क मान
दूगाक पूजा हाइ छ।"

□□□□□□□ □□□□-

"□□ □□□, एना फारछा कऽ कहा ाकया अखान तक कहलव □□□"

□□□ □□□□-

"□ □□□□, □□□ □□□□□ □ □□ □□□□□ □□, □□ □□□□ □□□□ □□□□ □□□□ □□□ □□□□-पुताक पढ़-□□□□ □□□□ कमपर ाबसवास करत गल। आकरा पछुअब ल त ाखह □□□□ □□न। इ ज साझ दइ बरम कह ाछाहन स का क राखल छै जे तोरा दऽ देतौ। तोहीं कह जे केतोसँ चिकनि माट लऽ अनल फटलहा कपड़ाक बाता बना करूतलम ाभजान □□□□ आ एकटा अगरबताास दूगास्थान साझ दइल चाल गल। खरचा भला चाारआ आना न आ माग ललाहन सम्पा□□ □□□□ □□□□□ □□□□□ □ □□□□□ □□□ □□□□□ □ □□□□ □□□ □ □□ □□□□ □□-□□□□□ □□ □□□ □□□ आछ। अमरूख समाजक लाकक ादशाहान बना कऽ अपन गाटा □□□ □□□□ □□□ □ □□□-□□□ □□ □□□□ □□□ □□□□□□ □□□ □□□ □□□□-धमक नाआपर काठलाम काठला छ। जतव जाात ततक दवता। बड़काक बड़का दवर , छाटकाक छाटका □□□□ □□□ □□□□"

□□□□□□□ □□□□-

"ठाक कहल बाआ, □□ □□□□-□□□□ □□ □□□□ □□□ □□□□"

□□□ □□□ □□□-

"□ □□□□, □□□□-□□□ □□□ □□□-सहन न स्वगक रहब ाछए। हम तू त कठपुतला जका ज -□□□ □□□ □□ □□□-□□□ □□ छ। तए न कहबा छ कमए लगाटाबला आ खाए धाताबला। तए □□□□, □□ □□□-□□□ □□ □□-□□, □□□□-पुताक पढ़-□□□□

[illegible] [illegible]-[illegible] [illegible]-[illegible] [illegible] [illegible] [illegible]-[illegible] [illegible]
[illegible] [illegible]-[illegible] [illegible] जता त अपन दखाबाहन ज स्वगक भाग
[illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible]
[illegible] [illegible]-[illegible] [illegible], ताथ-[illegible]त कर, [illegible]-[illegible] [illegible] [illegible] [illegible]
[illegible]-विवक काज दता। ककरा कष्ट न दा , जहा तक भऽ
सका ककरा उपकार कऽ दाहन सएह सभस पघ घम छा
[illegible] [illegible]-[illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible]"

[illegible] [illegible]-

"[illegible] [illegible], [illegible] [illegible] [illegible]-[illegible] [illegible] [illegible]-[illegible] [illegible] [illegible] [illegible]
[illegible] [illegible]?"

[illegible] [illegible]: [illegible] [illegible]-

"[illegible] [illegible], साझ शब्दम बुझहा ज अन्न रस प्रकाश दिस आन
सएह भल पूजाक शाब्दिक अथ आ नाक काज न धम हाइ छ।
भगवानक कता अन्तए आ त तारा हमरा आत्माम
[illegible] [illegible] त बवहाराक ज्ञान [illegible], शास्त्र -[illegible] [illegible] [illegible]
[illegible] [illegible] [illegible]-[illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible]
[illegible]?"❍❍

कातन आ सम्मलन

□□□ □□□□ □□□ □□□ □□□ भलान घूसर बाबूक। अपन □□□□□ □□□□□ □□□□ □□□□ □□□ □□□□□ □ □□□ □□□□□ □□□ हुनकर धुतस पाराचत छल। □□□□ इस्वाग □□□□□ □□□□ □□ □□□□ लड़काक ठाढ़ कलान। लड़का ब.□. □□□ □□□-□□□ □□□ □□□ □□□ □□□ □□□ □□□□□ □□□ □□□□ □□□□ □□ □□ □□ □□□□ □□□□□□ □□□□ □□□ □□□□ □□□□ □□□□□ □□ □□□□ □□□ □□□□ इस्वाग □□□□ □□□-कातनक आयाजन कलान। लाकक कहाथन मुखया चुनाव जात गला तए नवाह करा रहल छा आ मा दुगाक कबुला कन छालयान ज हम जातब त अहाक दरबारम कातन आ नवाह करब। □□□ □□ □□-□□□ नवाह कातनक आयाजन कलान। मनरगाक तहत □□□□ □□□□□ □□□□ □□ □ □□□□ □□□□ □□□□ □□□ □□-□□□□, □□-अपाछत सभक सरकारा रटपर नाआ दज करा राज असुला ललान □□□□ □□□ □□□ □□□ □□□□□ □□□□ □□□□ □□□ □□□□□ □□ □□□□ □□□□□ □ □□□□ □□□-दारू पाब कऽ न्ट-सन्ट बजत रह □□□ □ □□□□ □□□□□ □□ □□□□ □□□□□ □□ □□□ □□□□ □□□ समए छल। समए रादयाह जका छल। बनठा एक बाघाम पनरह किल कट्ठापर धा□ □□□□ □□ □□□ □□ □□□ □□□□ □□□-□□□□□ □□□ लगत रहए। बनठा कातनक पछात काहया खत दिस □□□□□□ □□□ □□, □□□ □ □□□ □□□□ □□□□ □□□ □□, □□□- □□□□ □□ □□□ □□□□ □□-□□□□ □□□□ □□□ □□□ □□□ □□□□ □□□□ □□ □□□ □□□-□□□ □□□ □□□□ □□ □ □□□□ □□ □□□□ □□! ए नवाहक पाछा त खताआ बूाड़ गल। काना तरहक लाभ भ ...! एम्हर गामम कराब पचासटा हारन गामक चारूक आ बिच्चाम टागल छल। सौंसे गाम अनघोल भऽ रहल छल। केकरो मोबाइलपर जे केतोसँ

फाना अब सहा गप करम ादक्कत हाइ। ककरास गप करम
हाइत। गप्पा करू त ऊच अवाजम। ह ाकछु नव युवता आ स
सभक जना राजगार भऽ गल हाइ ज जाहयास कलश भरलक ताहए
□□□-□□□□, □□-फलहारा साझ-ाभनसर स्नान कार कऽ कलशक पूजा
करब दसा ादनक राजगार भट गल छल। कातन मडलाक त बता
□□ □□□ □□ □□□ □□□ □□ □□□ □□□□ □□ □□□□ □□□-
भाजनक आयाजन। दासर ादस जनरटर आ साउण्डक भाड़ा छल पतास
□□□□ साउण्डब□ □□-गद रहए। पडाजा सक □ □□□ पाच सए
एक टाका ललान त पूणाहुतम कतक लता। एम्हर आयाजकक चन न।
कथाल एका घटा कातन करता आगत -भागत प्रसाद बटम तवाह। नवाह
दसम ादन सम्पन्न भल। स न्न हाइत आयाजक घूसर बाबूक ा
□□□□□-

“ज एस न भल। अठजाम कातन सहा काइए ाल□□”

तुरन्त फर अष्ठयाम कातन सहा शुरू भऽ गल। अ
समाप्त हाइत पडाजा घूसर बाबूक कहलाखन-

“ए यज्ञक पूणाहुत ाबना सत्यनारायण भगवानक पूजाक
□□□□”

त रातम सत्यनारायण भगवानक पूजा सहा भल। कातन मड
□□ □□□-

“ाबना साधु भण्डाराक काना □□□□ □ □□□□”

तुरन्त एव -□□-एक मुरतक साधुक भण्डारा भल। गामम धम
अम्बार लाग गल। मुदा आइ अनपढ़ मजदूरक ध्वान प्रदूशनक चलत आ
□□-□□ □□□□□□ □□-सग श्रमक पाइस ख -□□ □□ □□□ □
□□-□□□□ □□□□? □□ □□□ □ □□ □□□ □□□ □ □□
□□□□□ □तन त आ भल न ज काना भगवानक कृतक अपना ऊपर
□□ □□□ □ □ □□□□ □□□ □□ □□□ □□ □□□ □□□□ □□-कृष्ण
हमरा लाकान लल उदाहरण आछ। ासारफ हुनक कृत कलहाक अपनाबा
□ □□-मुान काह गला स न असला धम भल। क ाबना नाक का

□□ □□□□□ □□□ □□□□ □□□□ □□□ कबार पथा सम्मलनक आयाजन सहा भल। जखान प्रवचन शुरू भल आक एकटा तसर ।वहगरा ठाढ़ भ गल। मचक अध्यक्ष वचन बशा आ प्रवचनकता पारखामतक अनुसार ग □□□-

"आनद भट वएह स्वग। मनूख सबहक -धता आछ। □□□□□□ □□□ □□□□ □ □□□□ □□ □□□ □□□□"

तक रह□□-

"मुसलमान इसलामक मान छाथ, इसाइ इशुक आ ।हन्दु र - कृष्णक मान छाथ, ताहना साख गुरुनानकक मान छाथन। सभ धमक लाक एक दासरक ।नन्दा सहा कर छाथन। हमर पघ त □□□ □□□ □□□□ □ □□□□□ □□□□□□□ □□□ □□□ □□ □□□ □□-कृष्ण □□न्दूएक खतम बखा दउ। स कहा हाइत आ ? सभ मनगढ़न्त आछ। ह पाचटा दवता अबर □□□□ □□, □□□, □□□□ □□□ □ □□□□□ □ □□□□ □□ □□□□□□"

तइ ।बच्चम सवाल उठल कबार दासक जन्मक सम्बन्धम□ □□□□ सवाल रह कबार दासक लाशक ।हन्दू मूसलाम बााट ल सम्बन्धम□ □□□ □□□□ □□ □□□ □□□□□□□□ □□ □□□□ दशनक सम्बन्धम। जहा न ।क रामाशकर साहब बजल-

"।बना स्त्रा-पुरुषक सयाग कता ।धर -□□□ □□□!"

त ।कया लाक लाजक चलत अवध स न्धव□□ □□□□ □□□□ बच्चाक पाखारक कनछारम फ □□□□ □□□-□□□ □□ □□□□□-पाललक। वादक धम कबारक दशनस ।मलत-□□□ □□□□ □□□□□ □ वद आछ। मृतम कबारक लाशक भातर सााज□□ □□□ □□□□ □□ □□ आ चद्दा □□□ □□□□ □□ ।ख दल गल। ज ।ह -□□□□□ □□□□-अदहा बााट ललक। आक अध्यक्षक खात फाव दलकान। हल्ला भर !

सहाक कतक काल छिपाल जाएत। अध्यक्षव अध्यक्षता समाप्त कऽ दल ▯▯▯▯▯ दासर अध्यक्ष चुनल गला। तखान फा ▯▯▯▯▯ ▯▯▯▯ ▯▯▯▯-

> "या श्राता लाक , ▯▯▯ ▯▯▯ ▯▯ ▯▯▯▯ ▯▯▯ ▯▯▯▯ ▯▯▯▯ ▯▯▯ ▯▯, दासर इश्वरवादा ३ ▯▯▯ ▯▯▯▯▯ ▯▯ ▯▯ खोंचाह हाइ छ। जाहना माहला सिगार करत आछ ▯▯▯▯▯ ▯▯▯▯ बबाजाआक दाखयनु एकहक हाथक दाढ़, ▯-▯ ▯▯▯ ▯▯, ▯▯▯▯▯▯ ▯▯▯▯ ▯▯▯▯▯ ▯ ▯▯ ▯▯ ▯▯ साताहरण भल छल। इश्वरवादा सभटा इश्वरक उपमा दता अपन करता आकर विपरात। पारखा काना दृष्टातक गलतक बूझ कऽ वज्ञानिक तकक मान साना जका आ ▯▯▯ ▯▯ बजता आ करता। ढोंगी-▯▯▯ ▯▯▯ ▯▯▯ ▯ ▯▯▯▯ ▯▯▯ ▯▯▯ ▯▯ ▯▯▯ ▯ ▯▯ ▯▯ ▯▯ ▯▯▯▯ एकटा अमारकन बबाजा ए बरका कुम्भ मलाम इलाहावाद आएल छला। आ मूता सभक दाख कऽ बज , ▯▯▯▯ ▯▯▯▯ ▯ हिन्दूस्तानम सभ आतकवादा ह क्य कि सबा क हाथ म ३ - शस्त्र । अर -शस्त्र क बदालत राज्य कएम करना थ। कृष्ण ह कमवार क्य ▯ ▯▯▯ ▯▯▯ ▯▯▯ ▯▯ ▯▯▯ कबार क हाथ म क्या था काइ बताब। गुरुनानक क हाथ म क्या था। इसालिए आज क समय म कबार कि जरूरत जा वज्ञानिक तकपर ▯▯ उतरता ह। वहा पूज ▯▯ ▯▯"

अपन बकतब दऽ शकर साहब प्रवचन समाप्त कलान ❍❍

मूदा

रामश्वरक जखान माछक पाम्ह □□ □ □□ □□□ □□□□-पुताक खलत □□□ □□□-□□□□□ □□ □□□ □□-□□ □□□□ □□□ □□□ □ □□ □□□ □□□□□ □□□□-□□□ □□□ □□□□ □□□-□□□ □□□□ □□□□-कान्हपर लऽ कऽ खलबत हता। रामश्वरक ापताक नाआ छलान बसधर आ माएक □□□□□□□ □□□□□□ □□□ □□□ब पचपन आ कलाबताक अरतालास बख रहान। नाक ागरहस्त। दस बाघा खत जातानहार। दरबज्जापर टकटर। □□□□□ □□ □□□□ □□□□ □□□ रहान। कलाबताक मात्र एकटा बटा उ □□□□ □□□ □□□□□ □□□ □□□□ □□□□□ □□□ □□ □□□□ □□□□ □□□□□□□□□□□ □□□□ □□□□ □ □□ □□□□ □□□ □□ □□□ □□ □□□□ छ ज रहबा करान। माएक जतक ापअरगर बटा हाइ छ ततक बटा न। बटा जखान अठारह बखक भल छल तखन आकर ाबआह ानमत सुबाधकान्तस कराल गल छल। सुबाधकान्तक पारवार जमानदार त □□□ □□-□□ □ □□□□□ □□□□□ □□□ □□ □□□ □□□□□□□ □□□-□□□□ □□□□□ □□□ □□□ आ दू भाइक भयारा। ाबआहा आधुानक ढगस भल □□-धरक्का याना ाडज बाजा सग लगभग डढ़ सए बारयाता आएल छल दाना दहज नाक जका दलाखन। सुगाबता सासुर बसए लगला। ए □ छाट बटा रामश्वर प -ालखम बड़ तज। काना वगम फस्ट सकण्ड छा □□□ □ □□□ □□□□ □□.□□-□□.क सकण्ड पाट छल तखान जा कऽ घटना घटल। छाट बटा रहन तहूम एकलाता। एकलाता बड़ □□□□ □□□□ □□□-□□□ □□ □ □□□□ □□□□ □□□ □□□□□ □□□ ागरहस्ता कराथ। एकटा नाकर ाबलातया टकटरक डरबरा करत □□□□ □□□□ □□□□□ □□-□□□□□ □□□ □□□□ □□□ना बटाक प्रात अगाध ऽम रख छला ताहना गाएक प्रात सहा। पाहन दहाता गाए प

□□□ □□□□ □□-पाबल दाथन मुदा दूधक बरम मात्र ाकला □□□ □□□□□ □ □□ ाकला साझम हाइ छल। सहा काना साझ झूस भऽ जाा □ एक ादन तमुारयाक ाशव कूमार डाक्ट□ □□□-□□□ □□□□□ □□□□ □□□ आ जरसा गाएक सम्बन्धम □□□□ □□ □□□□□□-

“□ □ □□□□ □□□□ □□□ □□□□ □□ □ □□ □□□□ □□□□ □□□ □□□□ □□□ □ □□ □□ □ □□□□ □□□□ □ □□□□ □□□□ □□□□ □□□ □ □□□ □□□□□ □□□□ □□□ □ □□□ □□-□□□, खुट्टापर का॰ □□□ □□□ □ □□ □□, □□□□ □□□□ □□□□ □□□□ □□ □□□□ □□□ □□□ □□□□□ □□□□□ □ □□□ उवरा शाक्त बढ़बम काज दत। -□□□□ □□□ □□ □□ □□□ □□□□ □□□□□ □□ □□ □□□ □□ □□□ □□□□ □ □□ करत। पाच लाटर अपना खाइल राख लब आ बाका दूध॰ वपारा हाथ बाच लब। भारतत कृष प्रधान दश आछए अ॰ प्रातशत आदमा खताएपर ानभर आछ। □□ □□□ □ □□□□ □□□ ालअ हमहू अहा सग मधुबना जाएब आ खटालस नाक नस्लक □□□ □□□□ □□□”

□□□□ □□□□-

“ठाक छ। काल्हिए चलल जाउ ”

ावहान भन ाशव कुमार डा॰ □ □□□□ □□□ □ □□□□ □□□□ ापचकूनक सग लऽ मधुबनास साहवाल नस्लक दूटा गाए एकटा बाछा तर □ □□□□ □□□ □□ काान अनलान। सएह गाए बसधरक खुट्टापर। गामम चचाक ावषए बान गल। हारदम पाच-□□ □□□ □□□ □□□ □□□□-□□□□ रह छल। ाशव कुमार डा॰ □ □□□ □ □□□□□□□ □□□ □ □□□□□ □□□□□ □□-सप्प करता त हासत। बुझन न जाएत ज एतक डाक्टर झझारपुरक पाच कास चातरफा॰ □□□□ □□□ □□ □□□□□ □ इ छान्ह ज जइ ाबमाराक आ न जनता त अपनास ऊपरक डाक□□ □□□□ □□ □□ □□□□ □□□□□ □□□ □□□ □□□-सम्मान खूब भटत छान्ह। ाफसा आन डाक्टर जका न उाचत मजदूरा उाचत दबाइक दाम लइ छाथन। एम्हर बसधरक चचा गामम हुअ लगल। बसधरा पा॰

□□□□ □□ □□-□□□□, हित अपाछितम बाॉट दलाखन घरपर ज आना ादन □□□ □□□ □ □□□ □□-□□ □□ □□□□ □ □□ □□□□ □□□□□ □□□ □□-□□ □□□ □□□□ □□□□ □□ □□□ □□□□ □□□ □□□ □□-सम्मान भट छलान। ाक □ □□□□□, कहबाआ छ ज मन हाषत त □□□ □□, चारू डर □□□ छान्ह।

□□ □□□ □□, दुष्ट आदमाक न दखल जाइ छ भगवानाक न दखल गलान। एक ादन बसध □□□ □□□□ □□ भगवानाक चन भटलान। भल इ ज बसधरक सधारण बाखार लगलान। बाखार काना दबाइक सुनबाइ कारत न छलान। गामस लऽ कऽ दरभगा □□ □□□ □□□□ □□ □□□ □□□□ □ □□□□ □□□-□□ □□ □□□□ □□ □□□ □□□ □□ □□□, शरार त सुखा कऽ सठा जका भ □□□□ □□□ □ □□□□ □□-काठक शरार लाल मुगबा जका। आ आइ कतए गलान स न काह। पत्ना कलावता त फूटम -□□□ □□ □□ कनत रह छला। वचारा कलावता स्वामा क्त काहया पातक आदशक अवहलना न कलान। वचारा सागस एक हड़डा भऽ गला। ब कालजम सकण्ड पाट वा.□□-□.म पढ़ छल स घर आब गला। रामश्वर □□□□ □□□ □□□□ □□ □□ □□ □□ □ □□ □□□ □ □□ □□ परहजपर ाधयान दत रह छला। एक ादन तान बजक समाए छल। पत्ना कलावता स्वामाक पएर लग सवा कऽ रहल छला तखन बसधरक ाहचका उठलान आ प्राण ातयाग □लान। कलावताक फूट दा -□-दाता लागए □□□, □□-□□□ □□ □□□□ □□□ □□□-

> "या चण्डलब! हमरा छोड़ि केतए परा गेलौं यौ! □□ □□□ □□-भाल क करत। क आब एतक सम्पातक □□□□ □□□ हम स्वामानाथ कहब "

वचारा रामश्वर दासर काठलाम सूतल छल। आहा द □□□□ □□□□ □□ □□□ □□ □□ □□□□ □□ □□□ □□□ □□ धरामस खसल। दाता लाागि गल। ताबत -□□□□ □□-घरूआ सभ पहूचए लगल। सबहक मुहस एक्क शब्द ानक -

"अन्हर □□ □□! □□□-□□□ □□□□□ □□□ □□ □□□□□□□ □□□ गला। हमरा सबहक खुट्टा छला। आब हमहू सभ अनाथ गेलौं।"

दासर ादस रामश्वर मुदा जका एकान्तम बसल। आखस □□□ □□□ □□□ □□□□ □□-

"जल्दा □□□□ □□□□□□□ लग उत्तरमुह सूता ादयनु। ग गाबरस ठाउ कार कऽ सूता ादयनु।"

□□□□ □□□-

"जल्दा कपड़ा लाउ।"

"जल्दा बासक टाटा बनाउ "

"मुइलक जतक जल्दा भऽ सकए, □□□ □□□"

मुदा वचारा रामश्वर सबहक ावचार सुनत। एकटका लगान साच लाकाक ावचार अजाव आछ काा़ल □□ □ □□□□ □□□ □□□-प्यार दलान प्राणक आधार छला स आइ मु ...□ □□□□ □□□□ □□□ □□□ □□□□ □□□□ □□-□□□□ □□□□-

"□□ □□□□□, □□□□ □□□ □□□ □□□ □□ □□□□ □□□□ □□ □□□-पुरल पारवारक छाड़ स्वगधाम गला। तहू ाक मुदा भ □□□ □□□ □ □ □□□□ □□□ □□□□ □□□ □□□ □□ □□□, जखान महा नजरस दखबहक त सभ मुइल जका भटत जना कृष्ण महाभारतम अपन ावराट रूप दखान छलाखन करूक्षत्रक मदानम सभक मुइल दखान छलाखन आ □□ □□□□□□ □□□□ □□□□ □ □□□□ □□□□ □□□ □□□ □□□□, करब स कहा हाइ छ। अ -पराया सभक दखबहक ानणए लत। दखबहक सामनम कुकम हाइत आछ मुदा बजा ाकया न। कहत अपन आदमा छा झााप द , □□□ □□□□ □□□□ □□□-भरत समाज आइ एतक भ्रष्ट भऽ गल आछ। ना □□□□ □□□ □□□□ □□□□ □□-पाड़ाक। ज हबाक हत स

> □□□□ □□□□□ □□□□ □□□□ □ □□□□ □□□□ □□□ □□ □ बसधरक दाह ससकार कऽ ादयनु।"

□□□□□ □□□ □□□□ □□□□ □□, □□□□□□ □□ □□ □□□□ इतजामम बस्त □□□ □□□□ □□□-

> "गुड़डाक धागा त अपन सबहक पास ३ , □□□-□□□ □□□□□ □□□-□□□ □□□ □□□□□□ □□□ □□□ □□□ □□□□-□□□□ □□ □□□□□"

□□□□ □□साबक कत रहान, □□-□□ □□□ □□□-□□□□, एकादशाक □□□-□□□, द्वादसाम पुड़ -□□□□□□□□ □□□□□□□-रसगुल्ला□ पा: -□□□□□ □□ □□□□□-□□□□, ाबआएल गाए बाछाक सग व -□□□□, कोंच, □□□□-□□□□, □□□□-लत्ता साहत सभ ाकछु दान कराथ। काना ाक □□□ □□□□□ □□□ □□□□, □□□ □□□□ □ □□□□ □□□□□ □ □□□ □□□□ □□□□ □□□ □□□□□-जत्था □□□लापर एहन पुण्य□□□ □□□□□ □□□□□ □□□-□□□□ □□□□ □□ □□□□□ □□ □□□ □□

अजुनबाबू बजला-

> "□□ □□□□□, □□□ □□□□□ □□□□ □ □□□□ □□ □□□□ □□□□□ जा। समाजक पच-पाचक तू अखान न न बुझत छहव , □□ □□□□ □□□□□ □□□□ □□□□□□ □□ □□□ □□□□ □□□□□□ □□□□ □□□ □□□या बुझलहक कहा। दान -□□□ □□□□ □□□ □□ □□□□ □□□□ □□□□□ □□ □□□□□-पातक कतना दबहक तया आकर मन □□ □□ □□ □□□ □ □□□□ □□□ □ □□□□□ □□□, □ □ □ □□□□□ □□ □□ □□□ □□□□□"

रामश्वर मुड़ा डालबत बजल -

> "□□□ □□"

□□□ □ □□□, □□□□□ □□□□ □□□□□

□□ □□नक बाद रामश्वरक गाएक बच्च □□ □□□ □□□ □□ □□□□ □□□-

"जइ गाएक बच्चा □□ □□ □□ □□□□ □□ □ □□□ □□□□"

इ बात सुान रामश्वर गाएव □□□□ □□□ □□□□□ □□□□□□□ डाक्टरक जखान पता लगला ज वसधरबाबू स्वगवास भऽ गला त □□गसा करए एला। वसधर बाबूक श्रद्धाजाल दऽ रामश्वरक सानत □□ □□ □□□□□□-

"□□ □□-□□ □□ □□□?"

रामश्वर कहलका -

"□, बच्चा □□ □□□ □□ □□ □□ □□□ □□ □□ □□□□□"

डाक्टर □□□□ □□□□ □□□ □□ □□□□-

"□□□□ □ □□ □ □□ □□□ □□ □□□□ □□□ □□ □□□-□□□ □□चारम बाआइ छा। नगदा आमदनाक स्त्रात □ □□□□□ □□□□□ □□□□□ □ □□□□ □□□-□□□□ □□ □□□□ □□□ □□ □□□ □□□ □□□□□ □□□□□□□□□□ □□□ □□□ □□ □□"❍❍

सतमाए

□□□□□□, □□□□□ □ माए तानूक कतना वणन कएल जाए तया कम्म हएत। ज ममता आक प्रम माएम हाइत आ , सयाग कता अन्यत्र □□□□ □□□ □□ □ □□□ □□□ □□□□ □□-□□ □□□□□□ □□□□ सूधारम माग दशक बान जाइत आछ।

सुधारक ाबआह भना मात्र तान साल १ □□□ □□□□□ □□□ भाइक भयारा छल। चारू भाइ खताएपर ानभर छल। मात्र सात । □□, □□□□□ □□□□, मुदा खता तना कऽ कर छल ज पनरह बाघाबलाक □□□ □□ □□□ □□□-□□□□ □□□ □□□ □ □□ □□□□□□ □□□ □□□ □□-□□, □□□-□□□ □□□त छल। सुधारक ाबआह लक्ष्मा स □□ □□□ नाचला तानू भाइक ाबआह भऽ गल छल। सुधारक ाबआह भना □□□ □□ □□ □□□ □□ □□ □□□□ □□□□□ □□□ □□□ □□□□□ □□□ □□-□□□ □□□ □□□□□□ □□□□ □□□□ □□□ □□ □□□□ □□□ □□□ □□□ □□□□□□ □□□□□□ □□□□ □□□□□ □□□□□ □□-□□□, □□□-□□□ □□□ □□□□ □□ □□□ □□□□ बच्चाक नाआ राखल गल अनमाल □□□□, बच्चा जाहना दखबाम सुन्दर ताहना ा -पुस्ट शरार। बच्चाक □□□□ □□□□ □□□ □□ □□□ □ □□□□ □□ □□□□तौं।

□□□□ □□□□□ □□□□ □□ □□□□ □□ □□□ □□ □□□□ □□□ □□□, डाक्टर प्रभाष लग लऽ जाएल गल। रागाक द डाक्टर ! □□□ □□□□□□-

> “ाहनका पटम कशा राह गल छा । वएह काट जका भ: गलान। काना ाचन्ताक ावषय न आछ ठाक भऽ जाएत।”

□□□□-दारू भलान मुदा ठाक न भ: □□□□ □□□□ □ □□□ राह गला। डाक्टरक अचम्भा लााग गलान। इ का भऽ ग ! गानहारक

क राक सकत आछ लाशक □□□□ □□□ □□□ □□□□□□ □□□□□ □□□ गल। पारवारक सभ सदस्य जना बाक भऽ गल। जानजाातस अगन □□□ □□□ □□□ □□□□ □□□-

“इ छहमस्सुआ बच्चा कना कऽ बचत।”

□□□□ □□-

“भगवान ए बच्चा लल बड़ अन्याय कलाखन।”

□□□ □□ □□□ □□□ □□□□ □□ □ □□□, दाह सस्का , □□-कस सम्पन्न भल। सराधम एक आदमा बजल -

“□□□□□ □□□ □□□ □□ □□ □□ □□□ □□□ □□□□□ □□□ □□□□□”

□□□ □□□□□ □□ □□□□□ □□□□ काना तरह एगारह जन लऽ कऽ सराध भल। हलाका -कस ादन पात्रक सग सुधारक दाक्ष सम्बन्धम □□□□□ □□ □□□ □□□□ □□□□-

“□□ □□□□□, □□□□-जहान मुइल हन। बच्चा अनाथ आछ □□ □□□□-दादा आछ। काना तरह उद्धार कऽ ादया न।”

महापात्र मानबला न। तए झझाट भल। पात्र ब -

“□□□□ □□□ □□□ □□□□ □□, □□ □□ □□□□ □□□-□□□ □□ □□□ □□□ □□□□□ □ □□□ □□ □□न। हमर गुजरक रस्ता त □□□ □□□ □□□□”

□□, काना तरह सभ ाकछु सम्पन्न भल।

पारवारा काना तरह ससरए लग , □□□-□□□ □□□ □□□ □□□□ □□□ □□□□ □□-

“□□ □□□□ □□□□ □□□□ □□ □□ □□”

□□□□ □□□□-

> “दासर ाबआह करब त ए बच्चाक का ह□ □□□□ □□ □□□ □ □□□ □□ □□□□ □ □□□□”

□□□□□□ □□ □□□ □□ □□□ □□□ □□□ □□ □□□ □□□□□ □□ □□ □□□-□-ाकया दरबज्जापर आब -□□□ □□ □□□ मुदा एानहारक क□-□-□□ □□-□□ □□□ □ □□□ □ □□ □□ माझला भावाक चाह बनबल कहलान। आ ठाका जवाब दलका□-

> “□ □□□□ □□ □□□□ □□□□, □□□ □□ □□ □ □□”

सुधारक बड़ दुख भलान। करता ाक मन मसाास कऽ राह गला। □□ □□ □□□□ □□□ □□ □□ □ □□□ □□□ □ □□ □□ □□ कियो ओकरा छोंछ करौनिहार नै। दस बजेमे जखनि सुधीर एला तँ बच्चाक दाख कऽ बुकार लाग गल। बजता त ककरापर? □□ □□ ढाार छाछ करालाखन। पछाात उ -सन्ट पुताहुपर बजबा कल □□ सुधार साचला आब ाबआह कनाइ आनवाय आछ। चा□ -पााचम सालम □□ □□ □□□ □□□ □□□ □□ □□□□□ □□□ □□□□, □□ □□ □□□ □□ □□ □□-□□□□ □□□ □□ □□ □□□ □□□ □□□ □□ लागल अनमाल कुमारक सहा लन गला। सासूरम आ□ -□□□□ □□□ □□□□ □□ □ □□□□□ □□ □□□□□-

> “□□□, ाकए न कुालन कन्य, □□ □□ □□ □□ □□□ □□ □□ □□?”

□□□ □□□ □ □□□□ □□ □□ □□□□ □□□ □□□ □□□ □□ □□□ □□□ □□□□□ □□ □□ □□ □□□□ □□ □□□ एकटा लड़काक ाबआह करबल घटव, सुधार एठाम पहुचल। नाक तरह □□-□□ □□ □□□ □□□□ □□ □ □□ □□□□□ □□□□ □□□ ाबआह बुच्चादाय सग भलान। जहन बरतुहार कहन रहाथ , □□□ □□□ बवहाारक छलाखन। अनमाल कुमारक काना तरहक कुभला काहया कलाखन। कुटाचाल वाला स्त्रागनक कमा त काना समाजम

आछ। दुष्ट आदम क जना अनकर नाक दखल न जाइत ताहना स्त्रागना □□□□ □□□, स्त्रा जाातक ः न जतक मद न हाइत आछ तत स्त्रागन हाइत आछ। काना स्त्रागन -दबार अपना बच्चा सग □□□ □□□ □□□□ □□□ □□□□ □□ □□□ □ □□□□-पड़ासा तुरन्त उलहन जका काना-□□□ □□□ □□□-

"□□□□ □ □□□□□ □□□○□!"

तालक तार बना कऽ स्त्रागन सभ बाजए लगत। बच्चाक - □□□□□ □□-सप्पस कान भार दइ छ। मुदा सुधार सभ बातक ज हारदम सतक रह छला। अपना माए सग कहा सत, शब्द लागल आछ, दासर माएक सग सत् शब्द लागल आछ, सतमाए। बच्चाक बवहार □□□ □□□ □□ □□ □□□□□ □ □□□ □□□□□ □□□ □□□□ □ □□□ □□□ सतमाए हाइत आछ ज अपना बटाक नाक आ सतातक अधला कर □□□□ □□□ □□□-कता सतमाए मागदशकक काज सहा करत आछ स्त्रा जाातक अपना स्वाभमानक रक्षा लल स्वय आगा आबए ताहना बच्चाक अपन ुरुषाथ लल स्वय ठाढ़ हुअ पड़त ❍❍

तकरीर

मुसलमान टालस मुहम्मद साहबक पगाम लऽ क: ानकलबला छल। जाहया महाजदम बसार भल छल तहा ादन ाकया पाच □□□□ □ □□□ □□ □□□□, □□□ □□ □□□□, □□□ □□□ □□□□ जमातम जाइल नाआ ालखा नन छल। जमाताक अपन ानअम □□□□ □□□□□ □□□ □□□-खाराकक सग जाइत आ मुहम्मद साहबक ावचारक मुसलमान समाजम रखत। जइस नाक बातक प्रचार हाइ □□□ □□□□□ □□□ □□ □□□□ □□□□ □□□□□ □□ □□□ □ जहा-तहा तकरार करए लगल। एक ादन महाज□□ □□ □□ □□ □□□ तकरारम प्रवचन दबए लगल। तकरार बड़ नाक जका हाइ छल। सताष धाामक प्रकृतक, □□□ □□ □□ □ □□□ □□□□□ □□ □□ □□□□ □□ □□ □□□ □□□□□ □□□ □□□ □□□ □□ □□ □□ □□ □ तकरार सुनए लगल। जुम्मा ादन रहन महा□ □□ □□□ □□□□ □□□ □□□ □□□□ □□□ □□□ □□□□□ □□□ □□□-

> “□□ □□ □□ □□ □□ □□□□ □□□□ □□ □□□□ □□ □□□ रखग उस म ासारफ ादन भर खाना वा पाना नहा पान काज नहा चलगा। उसम ानअम पुवक मुह का राजा, □□ □□ □□□, □□ □□ □□□, □□-□□□ □□ □□□ □□ □□□□ □□ ाजसस बुरा वस्तु □□ □ □□□, □ □□□ □□ □ □□□□ □□ □□ □□ □□ □□□□ □□□ □□□ □□ □□□ ामलग।”

फर दासर तकरार स्त्रा जाातपर दलाख -

> “आरत का हमशा पदाम रहना चाााहए। नख स बाल तक दुसर मद का नजर उनपर ना पड़।”

□□□ □□□□□□ □□□□-

> “अगर पड़ासा क घर किसा तरह का अच □□□□ □□ □□ □गल क पड़ासा का उसम स थारा अबर □ □□□ □□□□□□ जिसस उसक आत्मा का भा शान्ता मिलगा आर आपक □□□□ □□□□□□”

सताष पूरा तकरार सुनलक। सुनला पछाात आकराम त -□□तक शुरू भऽ गल। राजाक स न्धम मालबा ज बजला आ त तक यु □□□ □□□ □□□ □□□□□ □□बन्धम □ □□□□ □ □□-काल्हक जुगक लल कतक जाइज आछ। कहू ज आइ वज्ञाानक जुग आछ। वज्ञाा जुगम स्त्रा आ पुरुष समान आधकार लल लाड़ रहल आछ। त □□□□ कृाष प्रधान दश आछ। व ना सम्भव □□□□

पचायत चुनावक सरगमा चाल रहल छल। -□□□□ □□□□□, □□□□□, □□□□□ □□□□□ □ □□□□ □□□□□□ □□□□ □□□□ □□ □□□□ साटक आराक्षत काटा आछ। पिपराालया गामक ज मालबा छला हुन भताजा चूनाव लड़ल तयार छला। आ पचायत सामातक लल माहला क्ष □□□ □ □□□□□ □□□□□ □□□□ □□□□□ □□□□□□ □□□□□□□ □□□ □□□□ □□□□□ □□□□ □□□-□□□□ □□□□□□□ □□□ □□□□□□□□ □□□□□ □□□□ मुसलमान तए जातम काना असुावधा न भलान। ब्लाकक मिाटग स □□□ □□, □□□□□ □□□-बजाए काजम इमानदारा पुबक काज करा □ □□ □□□ □□□ □□□□□□ □□□ □□□□□□ □ □□□□□□□ □□□□□□ □□ □□□ आब आ काट कचहराक फड़ाम □□□□-□□□□□ □□□ □□ □□□□ □□□□ □□□ □□, □□□□ □□□□□□□-□□□□□□□□□ □, □□ □□□-□□□ □□ गला। नसारा खातूनक आकल छला सुलमान साहब। सुलमान साहब तानटा पत्ना पाहल पत्नाम चाार सन्तान तानटा लड़का एकटा , □□□□ □□□□ □□□ □□□□□□ □□ □□□□ □□□ □□□□ □□ □□□□□ □ □□□□□ पाहल स्त्रा बदाक नापसद भल तकर सागस मार गल दासराम पाच सन्तान भल , □□□□□ □□□□, □□□ □□□□, □□□ □□□□ □□□□ □□□□ □□□ □□□□□ □□ □□□□ □□□ □□□□□ □□□□-□□□ □□□□ □□□□ □ □□□ □□□□ □□□ □□□□□ □□□□ □□ □ □□□□ □□□,

मर कराब पसाठ-सत्ता इमानदाराक सभ लक्षण माजूद। मुदा रूपआ ठकम एक नम्बरक - नम्बरक छलाह। नसारा खातून अपन मुकदमा लड़ ब सुलमान साहबक रखलान। नसारा खातूनक सुन्दरता आ चचलता दाख

एक ादन काटस आपस पाच बज , आ नसारा खातूनक -

> “साझम अहा अपन कागत तयार कऽ ालअ। काटम काउज दनाइ अहाक मुकदमाम जरूरा आछ ”

नसारा खातून ाकआन गला ज सतरजक चाल जका उलटा चाल चलत। सुलमान साहब डरा लऽ कऽ झझारपुरम रह छाथ। आत्तस काट आबाजाहा कर छाथ। तसर स्त्राक डरापर रखन छला। आ क इच्छा पूत कलान। ए तरह आब स - खातूनक छह मासक पटम बच्च राखए लगला। नसारा खातूनक ऊ -ानच्छा आकल साहबक पुछलाखन-

> “अहा ज कहन रहा ज ानकाह क ?”

-

> “! का हमरा स्त्रा न आछ ज दासर ानकाह ! !”

आब त नसारा खातूनक चान्ह आब गल। आइ दिन □□ आएल। दिमाग अशान्त भऽ गल। दहम जना आग लाग गल। जाात जाहना ममता रूपा माए आ बाहन हाइत आछ ताहना क्राध एल आ कालाआ रूप धारण करत आछ। सएह काला सन रूप ब दिन काटक आकालत खानाम गल आ साध सुलमान साहबक भार मुद्द □□□ □□□ □□-□□ □□ □□□ □□□□-

"इ ज हमरा पटम छह मासक बच्चा आछ तकर क □□□?"

आाकल साहबक किछु फुड़ब न करान। मुड़ा गातन ठ ! □□ बजबे ने करथि। तौं, तौं नसीरो खातून जोर-□□□ □□□-

"□□□□ □□□□ □□ □□□□ □□□□ □□□□□ □□□ □□ □□□ □□□□ □□□ □□-□□□□□ पूात कलान आ पटम छह मासक बच्चा आछ। आब का हएत !"

□□□ □□ □□□ □□□□□□□□ □□ □□ □□□ □□ □□ आाकल साहबक धूरछ-□□□ □□□ □□□□ □□□ □□□ □□□ □□ नसारा खातूनक गालपर एक चमटा मार दलाखन आ पएरस एक ए लगा दलाखन। आब त आरा तसर काण्ड भऽ गल। नसारा खातून आाकल सभस आ किछु दशका सभस सहानभूात भटल □ □□ □□-

"कहू त आाकल साहबक असगरम □□□□□ □□□-पुता छान्ह, □□, बटा सभक धिया-पुता भऽ गल छान्ह□ □□□ □□□ □□□ छान्ह □ □□ □□ □□ □□□□ □□ □□□ □□ □□□ □□ अन्याय कलान!"

स्त्रागण सभ बज -

"बड़ छुद्दर आाकल आइ!"

नसारा खातून काटम बलतकारा मुकदमा डायर कऽ दलकान पुालस सुलमान साहबक पकाड़ कऽ जल पठा दलका □□□ □□□□ आब जलम पाच बखत नमाज अदा कर छाथ आ कदाक बाच तकरा

[illegible] घटलान। कजूमक चाारटा लड़का। चारू लड़[illegible] [illegible]-[illegible], [illegible] ककरा ामलान न। एतक धार ज कजूमक दखानहार अपन बटा न [illegible]-

> “[illegible], [illegible]-[illegible] [illegible]- ापनहान करत रहथु। कमता खटता नाहय आ खता - [illegible]!”

माझला बटाक घरम मुगा फराइ भल छल आ गहुमक आ [illegible]-[illegible]-गम कर छल। कजूमक मन हाइ ज दूटा पुड़ा आ मुगा फराइ कलहा, दइतए तँ खैतौं। बाजत कना अपन [illegible] जाइ। माझला बटा सनसक माटरा बाान्ह सासुर चाल [illegible] [illegible]क। करबला कहा ाकया भल। अपन ज नाक सोचितौं, बजितौं आ करितौं तँ आइ ई दशा नै होइत। आब पचतेलासँ [illegible] ‘वक्ता [illegible] आ बरद एल बहल। अपना मानक सताष दलान।❍❍

पान

□□□□ इस्वाक शातलहारक समए छल। राम अवतार दू क
बड़ब कन छल। पानक ाबक्रा तहन सन छल। राम अवतार तान भाइक
□□□□, तानू भाइ बड़ब पाछू अपासयात रह छल। जमान मात्र दू बा
धनहर आ दसकट्ठा कल -□□ □ □□□□□□□ □□-□□ □□□□ □
□□-मरूआ उपजाब छल। तानू भाइ ए -□□□□ □□ □□ □□-□□□□
□□□ □□□ □□□ □। भयाराम ामलाना नाक छल। तानू भाइक ाबआ -
दुरागमन भऽ गल छल। तानू कानया बस छलाखन □□□□□□□ □□□
□□□□ □□ □□□ □□□-पुता टलहू सभ छल। शातलहार तहन मारू
भल स जून पुछू। पनरह नवम्बर ादन ज शुरू भल स भार जनव
तक लधल रहल। एमहर कता कातन त □□ □□, मान परापट्टाम
□□-पाठक अम्बार लाग गल। तथााप शातलहार खतम न
प्रकृतक डाग त अजाव हाइ छ। कतक कठुआ कऽ □□-
□□□□□ □□ □□ □□-□□ □□, साप-□□□□ □□ □□, □□-□□□□
धारक जान अवग्रहम पाड़ गल। राम अवतार -सन पचासा गाटक
□□□ □□□ □□□□ □□□□□ □□□ □□□ □□□ □□□□ □□□□
□□□□□ □□□□ □□□□ □□ □□ □□, □□□ □□ □□ □□□ □□-
□□ □□□ □□□□ □□ □□ □□ □□□ □□□ □ □□ □□□□□ □
कट्ठाक बड़बम रूइया भगन तक न भल। छाटका दहाता ए ,
□□□ □□ □□□ □□□□□ □□□□ □ता सुन्न भऽ गल। पान खाइबल
सभ पान लइल राम अवतार आइठाम आबए लगल। ततक रूपआ
ज पाहा पट्टाबलाक छह बाघा जमान □□□□ □□ □□ □□□
मास्टर पान लइल गलाखन। पाच रूपआक राम अवतारस पा
□□□□□-

> “□□ □□□□, तू बड़ भागमन्त छह। इलाका सुन्न भऽ
> □□□ □ □□□ □□ □□ □□□?”

“[illegible] [illegible]” [illegible] [illegible] [illegible]

बुचुन मास्टर बजल -

“[illegible] [illegible], [illegible], चाना कहादन भारतपर [illegible] बड़ अन्याग [illegible] अपना सरकारक तागात न छल का। छब स जनवराक [illegible] ाछए ज अर -शस्त्रक प्रदशन करत अ , अखान आ अ - शस्त्र का भल। अः -[illegible]?”

[illegible] [illegible] [illegible]-

“[illegible], सरकारक काज ाछए जनताक [illegible]”

[illegible] [illegible]-

“[illegible]”

[illegible] [illegible]-[illegible] अवतारक पुछलक-

“[illegible], [illegible]-[illegible] कहऽ हमरो मन होइए पानक खेती करौं।”

“अहा बुत हएत र कर , [illegible], [illegible] आमदना हाइ छ। पानक खता करब त करू हम पानक बा [illegible]”

“[illegible]”

[illegible] [illegible] [illegible]-

“[illegible] [illegible] [illegible] आछ पानक स सुनू। एकर शुरूआत [illegible]-बुढ़ानुस सभ बज छला ज मध्य प्रदशक नागपूरम प पत्ताक खाज भ , [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] एकटा स्थान । , आत बरइ जाातक लाक बाबा धामक रस्ता [illegible] [illegible] [illegible]-[illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible]-गात्र [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible], [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] जका हाइ छ स त दाखत ाछए। दू ादल ामललास जाहना ादल प्रसन्न हाइत ताहन [illegible] [illegible], [illegible], [illegible] [illegible] ाखल्ला [illegible] मुहम दलास मुहक सुखाए बदाल जाइ छ। जखान पानक खता शुरू करब आ बरठा लाग जाएत त छह माहना धार त आमदना [illegible] [illegible], खाला खच हएत। छह माहना पा [illegible] [illegible] [illegible] [illegible]”

“[illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible]”

[illegible] [illegible]-

“पाहन एककट्ठा खता करह आकरा लल पच्चासटा , [illegible] बान्हल [illegible], [illegible] [illegible], बासक फट्ठा [illegible] [illegible], सौंसे बासक कान्ह फााड़ ल , [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible], [illegible] [illegible] समान भल भाठाबला खतक तयार कऽ ालअ। बाआ [illegible]”

“[illegible] [illegible]”

काह बाल घरपर आाब ए -सुग्गायास राय लऽ कऽ पानक खत [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible], [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible]

□□□, □□ □□□□ □□□ □□□□□□ □□ □□□□ □□□□ □□ □□□□ □□□□ □□ □□□□ □□ □□□

बालक तानटा ाधर -□□□ □□□ □□□□, □□□□ □□□□□ □□□□ □□□□□ □□□, □□□□□ □□□□□□, लड़काक जनमना एक □□□ □□ □□□ ज बालसर काल्ह तक बा -□□□ □□□ □□ □□□-□□□ □□ □□□ □□ हारदम कलहन्तम पड़ल रह छ , तकरा हाथम रूपआ एन □□ □□□□ □□□ □□□□-लर , □□□-□□□, □□□□-□□□□ □□ □□□□ □□□

एक ादन बालसर बड़ठाम काज कर छल। जलख लऽ कऽ पढ़ □□□ □□□□□□-

“□□ □□□ □□ □□□□”

□□□□□ □□□□-

“थमहू अब छा। कनाए दुर कासयाबल बाका आछ।”

□□□ □□□ बालसर जलख करए लगल आ सुग्गाया पान ताड़ लगला। एक माटरा पान ताड़ सुग्गाया घरपर आब गला उ □□□□ □□□ □□□ □□□□ □□□□□ □□□□ □□□□

□□□□□□□ □□□□□ □□□ □□□□ □□ □□□□ □□□ □□□□ सुग्गाया गााछयाल पान पाथयाम लऽ बरू पहर झझारपुर बजार बच लल गला। बालसर मुनहाार साझम राम अवतार एठाम आएल। दुनू गाट गप-सप्प करए लगल। बालसर राम अवतारस पुछलक-

“□□□ □□, □□□ □ □□□ □□□□ □□□, □□ □□□□ □□□□ □□□-□□□ □□□□ □□ □□ □□-□□ □□ □ □□□□□”

खुशास उमकल बालसरक लटपटाएल प्रश्नक भाव बू □□□□ □□□□ □□□-

“□□ □ □□□ □ □ □□ □□! □□□□ □□□□ □□□□□ □□□ बबाजा छला आ आयुवदक बड़ ज्ञा , □□□□□ □□□□□□□ □□ सभ ज पानक लत्ता फक ादए तकरा महावार दास बाइ -□□□

□□□ □□□□ □□□ □□ □□□□ □□□ □□□□□□ □ □□□□□ □
एम प्रचुर मात्राम ावटाामन पाल जाइ , प्राटा, □□□, □□□□,
कावाहाइड्र , □□□□□□ □.□.□., नाइट्राजन फासफा ,
□□□□□□□, □□□□□□, □□□□□, □□, उजा इत्याााद प□ □□□
छ। तए पानक लत्ता आान क ऽ हम आकरा दबाइ बना
□□□ □□□ □□□□ग हम सास सम्बन्धा ाबम , □.□.□,
काब्जयतम, □□□ □□□□□□□□□, कालरा ाबमाराम रागा सभक
□□ □□□□ □□ □□□, □□□ □□ □□”

□□□□□ □□□ □□□□□ □□□□-

“□□ □ □□□ □□□ □□□ □□”

□□□ □□□□□ □□□□-

“□□□ □□ □□□□-तन्त्रुक हाइत आ , □□□□ □ □□□□ □□□□□,
□ □□□□ □□□□, □ □□□□□ □□□ □ □ □□□□ □□ □□□□□
□□□ □□□□ □□□□ □□□ □□ सभ समरूप चााहा। दख न छहक
बड़बक बनााबाट मकरा जाल जका बानल आछ। का -□-□□□
□□□ □□□ □□□□ □□□□□”

“□ □ □□□ □ □ □□□□-□-□□□□ □□□□ □□□□□□ □□ □□□
कम न ाजनगा ाछए। काज न करू त □□□□□ □□□ □□□
एकटा पान खुआ ादअ आब सुग्गाआ बजारस पान बाच
□□□ □□□□ □□□□ा□ □□ □□□□□ □□□ □□ □□□ □□□,
□□□□□□□□ □□□□ □□ बरू पहर पान लऽ कऽ झझारपुर गनाइ
□ □□□□□! साझम आत त फर रतुका भानस करत। ए
घरवाला भगवान सभक दथुन। साक्षात् लक्ष्म □□□□”

पान खा बालसर घरपर आएल। ताबत सुग्गाया खाना बना
छला। बालसरक दाखत सुग्गाया बजल -

“□□□ □□□ □□□ □□□ □□ □□□ □□□-□□□□ □□□□ □□□
□□□□ □ □?”

□□□□□ □□□□-

“राम अवतार दोस लग गेल छेलौं। पानक गुण-□□□□ □ □□□□ □□□□□ □□□□ □□□□”

सुग्गाया पुछलाखन-

“□□ □□ □□□□□ □□□?”

“ह पानक खता त पुश्त□□ □□□ □□□ □□ □ □□ □□□□ □□□ □□□ □□□□ □□□ □□□□ □□□□□ □ □□□ □□□ □□□□ □□□□□ □□□ □□□ □□□ □□ □□□□ □□ □□□□”

सुग्गाया-

“स त नाक बात छ। सुन ाछए ज चाहा पत्ताक खता आह □□□ □ मुदा पाच-सात साल तक हाइ छ। आकरा बख -□□□□ □□ □ □□□ □ □□□ □□□□ □ □ □ □□ □□□□ □ □□ □□□ □ त ठाठ भल पड़ल रहत।”

□□□□□-

“□□□ □□□ □□□□◌ □□ □□ □□□ □□□□□ □□□□, □□ □□□ अपना एठामक पान दासरा राज्यम जाइ छ। एकबर बनारस गल □□□ □□□□ □□□□ दोकानपर पान खाइले गेलौं तँ ओ दोकानदार, □□ □□□□ □□□□, □□□□ □□ □□□□ □□□□□◌□□□□ □□□□□□□ कहए लगल हमहूँ बड़की पोखरिक पान अनै छेलौं, बरमाक □□□□□□ □ □□□ □□□ □□□□-माना पाखार महार महक साचा आ कलजाारया पान नामा छल। हमरा आश्चय लागल ”

सुग्गाया बजल-

“□□□ □□ □□ □□□□ □□□□□ □□□ □□□ □□!”

□□□□□-

“□, □ □□ □□ □□□□□ □□□□□ □□□□□, जमान्दार सबहक □□□□ □□□□□ □□□, वस्त्र □□□ □□ □□ □□□□ □□□□ शुरूआत कर छल। अपना दख न ाछए काना तरहक मागलाक काज हुअ ाबना पानक हाइ छ। एहन नाक फासलपर □□□ □□□ □□□न स्त्रागण पानक ाखल्लास मुहक ठारक ला □□ □□□□ □□ □ □□-ाबरगक ालापास्टक सभ आब हन। झाट-ाबहााड़ आ पालास बरइ जाातक नाकसान हाइ छ स त हाइत छ सरकाराक कराड़ाक घटा लग छ। आब सरका □□□ □□□□□ □□□□□ □□□ □□□ □□ □□ □□□ □□□□ □□□ □□□□□ □□ □□□ □□□ □□□ □□□ □□□□ □□-□□□□ □□□□ क करत पानक खता। अपन जठकाक न दख ाछए ादल्ला जा कऽ काना कम्पनाम कम्पूटर चलबए। कम्पनाबला सभ ाश , □□□□, □□-□□□□ □□□ □□□□□ □□ □□□□□ □□□ □□ □□□□ ामाथलाचलक पान न उपटल जा रहल छ मुदा बगालम जलवायु □□□ रहने ओतुके पान अखनि सौंसे बजारमे पसरल अछि। सएह सभ बुझैले गेल छेलौं। और केतए जाएब। भरि दिन तँ □□□-□-काना काज कारत रह छा साझूपहर कना टहाल त □□□”

सुग्गाया बजल-

“□□□, □□□□ □□ □□□□ □□□□-□□□ □□ □□ □□□ □□□□”

□□□□□ □□□□ □□-पा कऽ सुात रहल। सुग्गाआ □□ □□□ रहला। समक चक्र बदलल। पाछला -पाच सालम तहन न पाल खसल ज बरइ सभक राढ ताaड़ दलक। जाड़ □ □□□□ □□□ सुड्डाह भऽ गल। ग -□□□□ □□□□ □□□□□ □□□ □□□ □□□□□ □□□□ □□□□-जुहान सभ ादल्ल-□□□□, बम्बइ-कलकत्ता पड़ा गल आ आत नाकरा करए लगल। मा □□-□□□□□ □□ □□□□ □□□ □□□ □□□ □□□□ बालसर माथा हाथ दऽ सागम बसल छल। सुग्गाया भानस का □□ □□□ □□ □□□ □ □□□□-

“□□□ □□□□ □□□ □□ □□□ □□□ □□□ □□□ □□□□□ □□□ दुनयाक लल साचब।”

□□□□□□□ □□□ □□□□□ □□□□-

“का करू स किछु फुाड़त न आछ ”

सुग्गाया ताना मारत बजल-

“□ □ □□□, □□ □□□□□ □□□□□ □□□□□ □□□□□□ □□□ □□□□□ □□□ □ □□□ □□ □□□! सुनू हमरा गारामे हौंसूली अदहा किलाक आछ। तकरा बन्हका लगा कऽ पानक काराबार , कलकत्तास पान आनू आ बचू ”

बालक हिम्मात बढ़ल। बाल हासला बन्हका लग रूपआ लऽ कऽ कलकत्तास पानक कारबार शुरू कऽ दलक अपन सकरा मधुबनाम । बचए लगल आ सुग्गाया झझारपुरम। मुदा मनम कचाट हारदम रहब कर □ □□□ □□□□ □□□-□□□ □ □□□ □□□□ □□□-दाग। न स्वच्छ हवा ने समाजिकता आ ने ओ बेवहार। गामक बेवहार शहरमे तकनौं नै भेटै □□ □□□ □ □□□ □□□❍❍

मई दिवस

महान खगाल शास्त्रा गलाल सावित कऽ दलाखन ज पृथ्वा गाल □□□, सुय ास्थर आछ। तपर आइ समक इसाइ धमबला सभ ामाल कऽ हुनका फासाक सजा दलकान। मुदा आइ सम्पूण दुानया गलाल दशनक सत्य मान रहल आछ। आतयाचारक खूनस रगल एक मइ त □□□ □□□ □□□ □□□□□ □□□ □□□ □□□ □ □□□ □□□-□□□□, □□-सम्बन्धा, □□□-बापक शहादक प्रताक आछ। साम्राज्यवादा आ पूजापा ावराधक प्रताक आछ। साम्यवादक चन्ह छा। एक मइ उनस सए नब्बक मजदूर ादवस कना मनाल जाए तकर तयारा भऽ रहल छल। □□□□□ □□□□□□ □□□□ □□□ □□□ □□□ □□ □□□□ □□□□ उत्साह □□□□ □□क □□□□□□ □□ □□□ □□□ □□□□□ □□□□ □□□□ □□□□ हमर ज बाबा छला मृत्य सज्ज , □□□ □□□□□□□ □□ □□□□□ □ □□□□□□ सौंसे पाटा□□□ □□□ □□□□ □□□ □□□□ □□□ □□□□ □□□ □□□ □□□ □□□ तखन सव सम्पातस तए भल-

> “हम सभ मइ ादवस क्रान्त ादवसक रूपम मनाबा। □□□□, □□□□□□, ब्राह्मणवादा ावचार धाराक ताड़ नव सन्दश समा □□□□ □□□□”

सएह भल। बाबाक सस्कार पहुल -□□□□□□ □□□□ □□□□□ □□□□□ □□□ □□□□ □ □□□□□□ □□□□ □□□□ □□□□□ □□□ □□ □□□□□

> “□□□□ □□□□□ □□ □□□□□-पात्रक न आनब। अपन स्वजाात ज जना हत कम कराएब।”

गौआँमे खलबली मचि गेल। फेर बजलौं एगारह गाम लऽ कऽ □□□-□□□□□, □□□-लड्डूक भाज करब। □□□-□□□□□□, □□□□□-पात्र आ दलाल सभक बुझू जना आाग लाग गल। पाटाम बहुत ादनस ए सबहक

माद चचा हाइ ज इ स ढोंग छा एकर वाहष्का□ □□□ □□□□ □□□ □□-फचक्काक बाद सव सम्मातस तइ भऽ गल।

"□□-बापक सराध कम जना मान हुए तना करू "

हम बजलौं-

"□□ □□-बन्धु लाकान इ शरारा त पाचटा तत्वस बनल आछ। □□□, □□□, □□, □□ □ □□□□□□ □□□ □□□□ □□ □ शरार आहा पाचा तत्वम ावालन भऽ जाइ छ। आत्माक मृत्यु न हाइ छ। कमक अनुसार कान -□-□□□ □□□□ □□□ □□ □□ तखान कतए स्वग आ नरक छ। क सभ दखन ा , □□ □□□□□ □□□-ापता कहल एला ज हमरा कष्ट आछ सुख। बाजू न। हमर बाबा कुकमा न ६ , साधु ामजाजक □□□□ □□□ □□ □□□□ □□ □□□ □□□□□ □□, □ कता स्वग छ त हमरा बाबाक स्वग भटब कारतान। भ -□□ □□□ □□ □, अहाक ाजद्दपर अपना स्वजाातस कम सहा १ □□□□□"

हमर बात सुनिते घोंघौज हुअ लगल। फेर कहलिए-

"ब्राह्म , □□, □□□, □□□□, □□□, □□□, □□□□□ स्वजाजाातय पुराह -पात्र हाइ छ। अ □□□□ □□□□ □□ हज, □ □□□"

□□□ □□□ □□□ □□-भातक ओरियानमे लगि गेलौं। गाममे जेना आग सुनाग गल। जाहना कुकुरक ना □□ □□□□ □□ □□□□ □□ एमहर त दाग आमहर करए लगए छ ताहना लुच्चा सभ करए लगल जगदाश प्रसाद मडलक नतृत्वम कम्युानष्ट पाटाक □□ □□□ छल। झझारपुरक जमान्दार लक्षाका , रामा कान्तक जमान बरमा □□□□ □□□ □□□ □□□□□ □□□□□ □□□□ □□□ □□ □□□ □□ दू भागम बाट गल। प्रमुख जामन्दारक सग दइ छ □□ □□□ □

घटना घाटत भल छल। प्रमुख ाकछु जाात सभक सनका कऽ
ाबगाड़क चष्टा क □□ □□□□ ाकछु न। पाटा सदस्य छल एक सए
पचासक लगभग। एगारहा गामक स्वजाात सभ जाातक पाटा सदर
□□ □□ □□, एगारहा गामम ज महा दार (□□□□□) क अलगस
पुरुखक दफ धात , □□, गमछा आ स्त्रागण सभक सा , □□, ब्लाज
सग भाज खुआ सम्पन कला। कालाकान्त □ □□□□ □.□□.□. □□
सवा ानवृत भला पछाात ऊहा आएल छला। हुनका सग लागल पाच गाट
महापात्र सहा छलाखन। काला बाबू अपन सस्कृतक ाविद्वान।
हुनकास ाकया कम काण्डक बारम पूछ दलाखन आ कहलाखन-

> "□ □□, □ □□□ □□□□□, □ □□□ □□□□□, □ □□□ □□□□□, मान दू नम्बरा कमाइबला आ सभ ाकए न खूब नमह - नमहर वतन-□□□, □□□-लर , □□□-□□ □ □□-□□ □□ □□□□ □□□□□ □□□□ □ □□ □□ □□□ □□ □ □□□ ादए ज आइ वस्तुक उपयाग कऽ सकए। कम काण्डा सभ ज काह रहल छाथ मन गढ़न्त आछ। स्व -□□□ □□ □□ □□□ □□□ □□ □□□"

एत बात सुानत सग लागल पाचा सगा ाहनका छााड़ कऽ घर ादस □□□ □□ □□□ □ □□□ □□□□-

> "□□! अपन पएरम कुरहार मार छाथ। अपन न उच्च पदप छाथन। हमरा लाकानक त राजा-□□□ □□□ □ □□□ □□ □□ छथि। हुनका तँ पेनशनों मारे रास भेटै छन्□□"

> "हमर बातपर तँ पोंगा-पंडित सभ लेल खोंचाह हेबे करतनि।"

□□□ □□ □□□□□□
□□: □□□ □□□□□-

> "□ □□-बन्धू लाकान, □□□ □□□ □□ □□□□-पात्र लाकान साध स्वगस कनफम ाटकट लऽ कऽ आएल छाथ आ मृतकक साध स्वग पठा दाथन।"

इ घटना सभ जखान प्रमुखक प लगलान त ाबदश्वर ठाकु नाआक बलजारा माहस खााल ललक। अनक तरहक मुकदमाम कामरड सभक फसबऽ लगल। ा □□□ □□□ □□□□ □□□ □□□□ □□□-□- □□□ □□□□ □□□□ □□□ □□□ □□□□ □□□ □□ □□□ □□□ जाहना शाान्तक बाद बबन्डर अब छ ताहना एक ादन प्रमुख सभ समागक तत् माार लगलान ज नाना न मारह ज फर काना आ □□□□□ □□□□ □□ □□□ □□□ □□-□-काना रूप एक मइव मनाल जाइत आछ। हमरा लाकानक चाह जइ तरहक खतरा , खूनस रगल लाल झडाक सहारा लऽ कऽ काजक सफल बनाबा। न ाक तू कमा आ हमरा खुआ हमर स्वग एत आ ताहर स्वग मुइला पछाा! सवसम्मातस ानणए भल-

“ढोंगा सबहक फड़ास सतक रहा।”❍❍

भूख

[illegible], ताहना मनाक भुख बढ़ल जाइ छ। बास भल त चासव [illegible], [illegible], माटर साइाकल भल त र [illegible], काल्ह जा कऽ हव [illegible]! मान इ जागार कखना रूकबाक काना नाम न लए [illegible] आछ। शत्रुधन बाबू पघ जमानदार दू भाइक भयारा। लगभग चाार र [illegible] तान बाघाम बास आ दस बाघ [illegible]ला जका दलान। [illegible]- चाारटा रखन छला। आगनम तानटा स्त्रागणक नाकर [illegible] राजा महाराजा जका छा [illegible] अमरजा सामापर फाजक डाक्टर। हुनका दूटा लड़का। इमह शत्रुधन बाबूक दूटा लड़का आ दूटा लड़ [illegible] एकटा लड़का डाक्टर दरभगा अस्पतालम। दासर इजाानयर अहमदावादक सरकारा काज [illegible] अपन शत्रुधन बाबू घर परहक काज दाखत छाथ। काना ग [illegible]-पाना दामम लऽ लाथ। ककरा अन्न दऽ कऽ कव [illegible], [illegible] कजा दऽ क:, [illegible]-बापक सराधम कजा दऽ दऽ सू [illegible] एक नम्बर[illegible] अनका नाकहा वस्तु [illegible]-दूखलक भाजन [illegible], जकरा जइ चाजक ादकत हाइ स ज महावारस माग त आकर [illegible]श्यकताक पूात अबस्स [illegible] प्रकृतक

□□□□□□ □□□□ □□□-□□□□ □□ □□ □□□ □□□□□□ □□□ □□ □ □□□ गाटक आश्रमम एतक सम□□ □□ □□ □□ □□□, □ □ □ □□□□, भूमिहानक, □□□ □□□□ □ □□□□ □□□□ □□□ □□□ □□□□ □ □□ ककरा पाचकट्ठ, ककरा बाघा त ककरा दस कट्ठ, दबए लगल। शत्रुधन □□□ □ □□□ □□□□□□ □□□□ □ □□□□ □□□ □□□ □□□□□ □□□ □□□ शत्रूधन बाबू कहलाखि -

“□□ □□□□□ □□□, □□ □□ □□□□ □□□ □□ □□□ □□□□ □□ □□□ □□□□ □□□□□”

□□□□□ □□□ □□□□□ □□□□□□-

“अहा काल्हि आएब ज मागब दऽ दब ”

“□□□ □□”

काहि शत्रूधन बाबू अपना घरपर आबि गेला। ए □ □ □□□□□ □□□, शत्रूधन बाबूक बारेमे पुरा जानकारी लऽ लेलनि। भिहान भने जखनि शत्रूधन बाबू एला तखनि महावीर कहलकनि -

“ठीक छि अहांक जतेक चाही से हम देब मुदा एक शर्तपर।”

शत्रूधन पुछलाखि -

“कोन शर्त?”

“शर्त यएह जे काल्हि छह बजे भिनसरसँ लऽ कऽ साझ □ बजे तकमे जतेक दूर अहा दाग कऽ □□ □ □□□□ अहांक छी।”

लोभी शत्रूधन शर्त मानि लेला। भिहान भने महावीर अपन एक सिपाहीक हाथमे बासक थोड़ खुट्टा □□ □□□□-

“हिनका सग जा आ जतएस इ दागनाइ शुरू करता ततएस लऽ कऽ जतक जमानक अपना पएरस घरत आता खुट्टा □□□□□”

छह बज साझम शुरू कलहा स्थानप □□□ □□ □□□ □□□□□ □□ □□ □□नसरस ज शत्रूधन बाबू दागए लगला। खत घरल , □□□ □□□□ □□□□□, □□□□ □□□□□, □□□□□ □□ □□□□-□□□□ □□□ □□□□ □□□-कता रूकाथ त सिपाहा कह -

“□□□क जल्दा करू। फूलक बगान □ □□□□□□□ □□□ बाघबा कालाक घर !”

तौं-ता शत्रूधन बाबू दा -दागत निद्रश स्थान लग -□□□ □□□□□ □□□□□ □□□ □□□□□ □□□□-

“□□ □□ □□□”

शत्रूघ्न बाबूक हाश कर ! हुनका त प्र -पखरू उड़ गला □□□□ □□□ □□□ □□□□ □□□ □□□ □□□□ □□□□□ □□□□ □□□ □ □□□□-

“दाखयनु लाभाक। हिनका सिरफ सारह तान हाथ □ चाहा। बकार न भानसरस साझ धार अपासयात भल!”

□□ □□ □□□ □□□□□, □□□□□ □□ □□□ □□□□ □□□□ □□□ □□□ ततबस सताष करू। सुखा रहब। तए कहबा □□□ □□□□❍❍

बेथा

□□□□□ □□□□□ □□□□□□ □□□ □□□□□□ □□□□□ मास चतक शुभ आगमन भऽ रहल छल। महाकान्त चाकापर बसल -□□ □□□ □□□ □□□ □□□□ □□□□□ □□ □□□ □□□-□□□□□ □□□□□ □□□ □□□□ □□-काल्हक लाक जुअ -□□□□ □□, □□□ □□□ □□ □□ □□□ □□□□□ □□□ □□□□ □□□□ □ □□□□ □□□-□□□□ □□□ □□□□ □□□□□ □□□-□□□ □□ □□□ □□□ □□ना चिन्त न। ; -धून कारत छला तखन - सुलालचना एक कप चाह आ थाड़क बिस्कूट नन एला। भिनसुरका पह छल। महाकान्त □□□□ □□□□□ □ □□□□ □□□ □□□ □□□□□ □□□□□ चहराक निग्हार□ □□□□□□ □□□□□□-

"□□□ □□□ □□□ □□□□ □□□ □□-□□ □□ □?"

"□ □□□, □□□ □□" महाकान्त □□□□□□□

□□□ □□ □□□□ □□□□□ □□□□□□ □□ □□□□□□-

"□□□□ □□□ □□□□ □□□, □□□-□-काना बात अबस्स □□ □□□ या न त बिमाराक काना लक्षण बुझना जाइत आछ। बाजू न "

किछु साचत महाकान्त बजल -

"□ □□ □□ □ □□ □□□ हम पनरह बखक रहा ताहए माए-□□□ मार गला। पित्ता रामआधन अहा सग हमर बिआह कऽ दलान। भैयारीमे असगरे छेलौं। बाहन न छल। पित्ताएक दर -□□□ □□ □□□-धन्धा चल छल। आब त -□□□ □□□ □□□□ □□□□□□□□ □□ □□□□ □□ □□□ □□□□ □□ □□□□ □□ □□□□ □□□□ □□□□ □□, □□□ □□□ □□, □□□□ □□□ □□□ □□ □□□ □□□□त ने दस बीघा खेत अरजलौं। धिया-पुताक पढ़बा

कला। कल्याना बटाक नाक दान दहजक सग बिआहा कला □□ □□ □□-□□ □□ □□□ □□-महेन्द्र दिल्ला , □□□ रितश मद्रासम आ छाटका दिनश जायपुरम नाकरा करत आछ। □□का महेन्द्र जखान आ .□. □ □□ □□□ □□□ □□□ □□ दालए। माझला मद्रासम काना नसस बिआह कहा दिन ललक। छाटका दिनश सहा कहा दिन आत्त बिउ □□□□ □□ □□□ □□□□ □ □□□! □□□ □□ □□ □□ अहूक सभ बुझल आछ।"

□□□□ □□□□□-

"□हाल मन अघार आछ। एकर चिन्ता छाडू। लाउ □□□ □□?"

□□□□ एक घोंट चाह पीब □□□ □□ □□□□□ □□□ □□ महाकान्त बजल -

"आकर चिन्ता त आछए मुद आधक चिन्ता इ आछ ज अपना सबहक जिनगीक का हएत। आब त हमरा उमर साठि बख ऊपर भल हएत। अहूक उमर पच्चप -छप्पन बरख भल हएत। कना कऽ दिन कटत। जाब परूख छल ताब दह धुा □ खेबो करी आ खूब काज करै छेलौं। दस बीघा खेतो अरजलौं □ □□□ □□□□□□ □□□ □!"

□□□□ □□□□□-

"से तँ ठीके कहै छी। देखियौं ने छौड़ा सबहक अगरजिद। चिट्ठाउ -पत्रा न दइए। आब त माबाइल युग आब गल। त□ □□□ □□-□□ □□ □□□ □□□□ □□ □□□□□ □□□ □ □□□ □□ □□□ साच छा कहन निदद भऽ गल। अहूक दमा □□□□ □ □□□ □□□□ □□□ □□ □□□ □□□"

"सएह सभ सोचै छेलौं जे कथीले पढ़ेलौं। सभटा खेत बटाइ □□□ □□□ □□□□ □□□ □□□ □□"

[illegible]-

“[illegible] न। अइल एतक ाचन्ता जून करू ”

“[illegible]”

[illegible] महाकान्त जलख खा कऽ सूत रहला। [illegible]का बटा महन्द्र ादल्ला [illegible]-महाकान्तक गाड़ लगलकान। [illegible] -पुताक गाड़ लगक [illegible]-

“[illegible], नमस्त दादाजा।”

[illegible]-

“नमस्त दादाजा।”

पुताहु कल्या[illegible] जाइ गल। आगनाम महन्द्र आ कल्य[illegible]-सुलाचनाक पएर छूइ कऽ [illegible]क आ मालता नमस्त-नमस्त काह चाकापर बस जाइ गल। जना काना खाना पूात कन हुअए। काना तरह [illegible] ादन रहल पा[illegible] फँसि गेलौं। छान-[illegible]-

“[illegible] दरबज्जा गध करता ह। दादाजा हमस -ठा करत रहत हा। जहा सात हा वहा व -[illegible] ाकसा तरह का ज्ञान नहा ह। जल्दा ादल्ला चालए न पापा।”

[illegible], पुताहु आ बटा महन्द्र बजत [illegible]

□□-बाप। काना तरह सात ादन गामम रहल आठम ादन ापतास जा कऽ महन्द्र कहला -

"□□□□, हम सभ ादल्ला जाइ छा।"

इ गप सुानत महाकान्तक जना चान्ह आब गलान। बजला-

"□□□ □□□ □ □□□ □□□□ □□□□ □□□ □□□□-□□ □ □□ □□, □□ □□□ □□□ □□□ □ □□□ □□□□ □ □□□□ □□□ □□□ □□□□ □□□□ □□□ □□□□ □□ □□□ □□□□ □□□□-□□□ □□□ □□□ □□□□ □□□ □□□-□□□□ □□ □□□□ □□□□□ □ □□ □□□ □□-बापक। का कहबऽ तारा सभक। जाइ छह □ □□□"

महन्द्र बाज -

"□□□□ □ □□□□ □□□ □□ □ □□□ □□□-□□□□ □□□!"

"□□□ □ □□ □□□-□□□□ □□ □□□"

एतक सुानत महन्द्र ताउम आब कहलका -

"□□□ □□□□-□□□ □□□ □□□ □□□-□□□ □ □□□□□ □□□□ □ □□□□□□ □□□ □□□□"

इ काह महन् ावदा भऽ गल ादल्ला। महाकान्त चूप रह □□□□ □□□ □□□□□□ □□□□□□ □□□□ □□□□-

"□□ □□□ □□□□ □□□□ □□ □□□ □□□ □□□ □□□-पन्ना आ □□□□-पुताक मात्र पारवार बुझत आछ। छाडू इ माया जालक। □□□-कना कऽ पढ़ला ज बुढ़ाड़ाम सहता करत अन्हराक लाठ जका। मुदा ाहनका लाकान लल धनसन। सभ -□□□ कम-धम जाबत आछ। नाक डाक्टरस द -दारू कराउ। ज □□□□ □□ □ □□□ □□□"

महाकान्तक आाखस नार खसए लगलान। सुलाचनाक कहलाखन-

> “□, गामम ज कमलाकान्त आछ तकरा दख ाछए त ाकछु
> फुड़ाइत आछ। कमलाकान्तक चाार गा बटा छ। चारू
> □□□□ □□ □□ □□का डाक्टर छ। माझला ख -वाड़ा सम्हार
> □□ □□□□□ □□□□□□□ □□□□ □□□ □□ □□□□□ □□□□ □□□□
> □□ □□ □□ □□ □□□ □□ □□ □□□□□ □□□□ □□□□-□□□ □
> □□□ □□□□□ □ □□□□□□ □□□-बापक ाधया-□□□ तरहत्थ □□
> रखन छ। गामम प्रातष्ठा छ। तानटा जरसा गाए पासन आछ
> □□□□ □□□ □□□ □□□□”

□□□□□□ □□□□-

> “सएह दाख कऽ त हमरा छगुन्ता लगए। हमरा बटा सभक त
> □□□□ □□ □□ □□□ □□ □□”

महाकान्त अपन आाखक नार पाछत बजल-

> “एम हमरा गलता आछ। बवहाारक ज्ञान काहया न दा
> सभ दिन सपने देखैत रहलौं जे बौआ सभ हाकिम बनत तँ
> □□□□ सभक प्रातष्ठा भटत। भल उलटा। माह छल अ
> □□□ □□ □□ □□□ □□ □ □□□ □□□□ □□□□ □□□□ □□□ □
> तहन काज कऽ ादए ज सभक सूख हएत आ हमरा अहाक ज-
> □ □□□ □□ □□□ □ □□ □□ □□□□□”

□□□ □□□□□ □□□ ादन स्कूलपर गामक प्राताष्ठत लाक सभक आ
□□□□-□□□□□ □□□□ कलान। बसारम महाकान्त बजल-

> “□□ □□ □□□□□ □□□ □□□□□ □□ □□ □□ □□□ □ □□ □□
> □□□□ □ □□□□ □□□□ □ □□ □□□-□□□ □□□□□□ □□ □□
> □□-बना ादल्ला मद्रास जायपूरम रहए लगल। बटा पुताहु ाक
> हमरा सभक दखबला न। त , हम अपन सम्पात सावजानक
> कऽ रहल छा अहा □□□□ □ □□□□ □□□ □□□ □□□□”

मुखयाजाक ावचार भला, हाइ स्कूल खालल जाए। सरपच [illegible], अस्पताल खालल जाए। [illegible], कालज खालल जाए। सभक स [illegible], मुखयाजा महाकान्तपर छाड़ पुछलाखन-

"अहाक [illegible]?"

महाकान्त बजल-

"हमरा सन गात समाजम बहुता गाटक हाइत हतान। कत [illegible] चार आछ ज वृद्धा आश्रम सह अस्पताल दुनू सग [illegible]"

[illegible]
उत्सा[illegible] महाकान्त ाबच्चम [illegible]-

"[illegible], भाठाम दू बाघा दस कट्ठाक एकटा काला ,
आत इ सस्था खालल जाए। ताबत एक लाख रूपआ खा
दइ छा। अहा सभ दहस आ बुधस मदत ादया।"

गराब आ वृद्ध सभ जखान इ समाचार सुनलक त खुशाक ठकान न रहल। सभ महाकान्त आ सुलाचनाक धन्य कहए लगल। ावहान भन काज शुरू भऽ गल। ाकया बास काटत त ाकया दबाल जाड़त [illegible] सभ डाराए बाटत। सभ अपन-[illegible] अनुरूप काज करए लगल। खूब नमहर एकटा बाड महाकान्त सुलाचन वृद्धा आश्रम सह अस्पतालक लगाल गल। मास ादनम घर तया गल। गामक एकटा मल्लाक डाक्टर दरभगा माडकलम सपताहम दू ादन अहा अस्पतालम यागदान दबाक मन बनलान [illegible] डाक्टर सहा दू ादनक समए आत ानशुल्क दबए लगला। महाकान्त आ सुलाचनाक ज मनक बथा छलान स आश्रमपर आबत आखस खुश

किसानक पूजी

□□□ □□□ □□□ □□□□ □□ □ □□□□□□□□ □□□□ □□□□ □□□□ □□□□ □□□□□□ □□□□ □□□□ □□ □□□ □□ट तयाराम मास्तर□ □□ □□□

□□□ना सरकार लल माच माहना □□□□□-□□□□□ □ □□□-खचक □□□ □ □□□□□ □□□□□ □□ □□□□□□, □□□□-□□□□□त लल यज्ञ आ दूगापूजा □□□ना गृहस्त□ □□ □□□□ □□□□□ □□ □□□ □□□ □ □□ □□□ □□□□ क, □□ □□□□ □□ □□□-कार करू त खन ग -□□□□-बरदक साना-कुट्टा ल □□ □□ □□□□ □□□ □□□ □□□ □□□□□ □□ □□□□

□□□ □□□ □□□ □□□न्दर□ □□□□□ □□□ □□□ □□□ □□-सप्प □□□ □□□□ □□□ □□□□-

> "□□ □□□न्दर □□□, □□-सप्प □□ □□□, □□□ □□□ □□□ □ □□□□□-□□□□□ □□ □□□ □□□ □□□□ □□□□□ □ □□□ □□□□ □□□ □□□□ □□□□"

□□□न्दर □□□□-

> "□□□ □□□□□ □□□□ □□□ □□□ □, □□ □ □□□ □□□ □□ताइस लऽ कऽ दाना तकक लल ७ , ट्रक्ट□, □□□ □□□ □□□ □□□□ □□□ □□ □□□ □□ □□□□ □□□□ □□ □□ गलह। तए परशान हबाक काना जरूर □ □□ □□□□ □□□□ □ □, □ □□ □□□□ □□ □□ □□□□ □□□ □□□ □ □ □ □□□ □□□□□□ □□□ □□ □ □□ □□□ □□□□ □□□□□"

□□□ □□□□-

> "□ □ □□□ □□ □□□□ □□□□ □□□□□□ □□□ □□ □□ □□ □□ □□ □□□□ □□□ □□□ □□□ अवण्ड □□ □□ □□□□ □□□□ □□ □□□ □ □□ □□□ □□ □□-□□□ ज दू अक्षरक बाध हता □ □□□ □□□ □□□ □ □□□□ □ □□□□ □□□□ □□□□□□ □□□ ललकह आ हा □□ □□□-नादक पाछा अपा □□□ □□□□ □□

□□□ □□□□ □□□ □□ □□□□ □□□□ □□□□ □□□ □□□ □ □□
□□□ □ □□□□-□-□□□□ □□□□ □□□ □□□ □□□ □ □□□□
□□□□□ □□□ □□□□। तुहीं क□□ □□ □□□ □□□ □□□□
□□□ □□□□□ □□ □□□”

□□□न्दर □□□-

“□ □ □□ □□□□ □□□ □□□ □□□□ □□□□ □□□ □□ □□□
□□ □ □□□□ □□□वारक गुजर-□□□ □□□ □न्ना □□□ □□□
□□ □□□□ □□□□ □ □□□ □ □ □□□□ □, □□□ □ □□□□ □□
□ □□□□ □□□ □ □□□ □ □□□ □□ □□□ □□□□ □□□□
□□□ □□□□□ □□□□ □□□ □ □□□ □□□ □ □□□□ □□□□ □□
गल त सभटा वस्तु □□ □□□”

□□□ □□□ □□□□ □□ □□□□-

“□□ □ □□□□ □□□□ □□ □ □□□□ □□□ □□, □□□□□ □□□
□□□ □ □□□□ □□, □□□□□ □□□□ □□□ □□□ □□□□ □□□□
□□□□ □□□ □□ □□□□ □□ □□□ □□□□ □□ □□□ □□□□ □□
□□ □□□□□ □□□ □□□□ □□□□ □□□ □□□”

□□□न्दर □□□□-

“□□ परशान हबाक जरूरत न छ। एकटा कहबा
□□न्तास □□□□□ □□ □□□□ □□ □□□□, पापस लक्ष्मा □□ □□
□□ □□□ □□□□□ □□ □□□□ □□□ □□□□ □□□ □□□ □□रूक
साल उन्न □□□□□ □□□□ □□□ □□ □लौं। एक साल
□□□ □□□ □ □ □□□□ हाइ छ। तए ज बाआक जरूरत हतह
□ □□ □□ □□□□ □ □□□□ □□ □ □□□□ □□ □ □□ □□□□
ज उन्ना □□□□□□ □□□□ □□□ □□□□ □□□ □ □□□ □ □□□
□ □□□ □□ □□□ □□□□□□ □ □ □□□□ □□□ □□□□ □□ □

[illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible]-[illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible]?”

“[illegible] [illegible] [illegible], [illegible] [illegible]ल्लू, [illegible] [illegible] [illegible] [illegible], [illegible], [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible]”

[illegible]न्दर-

“[illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible], [illegible]-[illegible], आगा-पाछा [illegible] [illegible] [illegible]-[illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible]...[illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible]”❍❍

छूआ-छूत

दूगापूजाक समए रहए। सभ अपन-अपन उमगम मस्त □□□ □□ □□□ □□-□□ □□□□□□ □□□ □□। किया पूजाम मस्त त □□□ □□ □□म मस्त, □□□ □□र □□म मस्त। □□□□ □□□ स्टजक आ □ लग्धा-□□□□ □□ □□म मस्त, □□□ □□□□ □□□ □□□□ □स्त। □□□ ब्राह्मण भाजनम मस्त। □ -□□□ □□□□ आ ब्राह्मण □ -□□ □□□□ □□ □□□ □□□ □□□ □□□ शभू मडल लड्डू लऽ कऽ भगवताक □ □□ □□□ □□□ □□□□ □□□ □□□ □□□□□ □□□ □□□□□-

> "सालकन सभ भगवताक अपन हाथ लड्डु □ चढ़ा सक छ □ न प्रणाम कऽ सक छ□"

□ बातपर थाड़ काल हल्ल -गुल्ला सहा भल। अतम फसला भल □ □□□□ □ □□□□ □□□ □□□ □□□ □ □□ □□□ □□□ □□ काना जातिक रहए। एहन फसलाक मु □□□ □□ □□ □□□□□□ □□□

□□□ चौकपर एलौं तँ एकटा दोसरे नाटक पसरल छल। एकटा डाम चाहक दाकानपर बचपर □□ □□ □□ □□□ □□□ □□ □□□□□□ □□□ □□□ □□। अन्तम बलजारा आ बचपर बस गल आ दाकानदारस □□□ □□□□-

> "हम हिन्दु छा □□ □ □□ □□□ □□ □तिक अहा आइठ □□ □□ □ □□□ □□□ □□ □ □□□। एक त अहा □□□□ □, कठा बन्हन छा □□□ अहा सबहक आइठ धाइ छा □ □□□□ □□□ □□□ □ □ □ □ □□जाबला आडम्बर □ □□ □□□□"

□□□ प्रश्न विचारनाय □ □□ □□□ □□ □□□ □□ गेलौं।❍❍

कलियुगक निणए

□□□□-त्रता बात गल छल द्वापरक समए पुरा □ □□ □□□ कयुगक प्रवश हाइ □□□ □□□ □□□□□ □□□ □□□-□□□ □□□□ □□□ □□□ □□□ □□च्चम □□□ □□□ □□□□ □□ □□□□ □□ □□□ □□□ □□□ □□□ □□ □□□ □ □□□□□□ □□□ □□□ □□□ □□□ □□□ □□□□□-□□मश शुरू भल त तानु युगक दवता सभ कहला □-

“□□ □□ □ □□□□ □□□ □□□ □□□-□□ट चलला आब अहाक □□□□ □□□ □□ □□न्ताम छा ज अहा □□ □□ □□□-□□□ □□□□□□ □□□□ त हमसभ दवासुर सग्रा , वृतासुर सग्राम का -कान न कला। स्वग-नरकक फेरा सभ केलौं। मुदा लोक सभ आर उडण्ड □□□□ □□□ □□□ल अहा लग एलौं। अपने के□□ □□□□□?”

□□□□□ □□□□□□-

“□ □□□□, हम अहा सभ जका फाइल □□□□□ मुन्सा-□□□□□ □ □□□□□ □□□ □□□□ □□□ □□□ □ □□□ □□□ □□□□ □□□□□ □□□ □□□□ □□□ □□□□ □□□□□□ □□□□□-□□□□□ □□□□ □□□ □ राखब। स्वग-□□□□ □□□ □ □□□ □□□”

□□□ □□□ □□□□ □□□□□□ □□□□□ □□□ गुम्म □□ □□□□ □□ □□□□□ □□□□□□-

“हम कृष्णक □□□ □□ □□ □□ चलब आ लाक सभक कहब □ ‘कम □□□□ □□□ इच्छा □ □□□ □□□□, □□□ कम क□□ □□□ □□ □□□ □□□□□□”

□ □□□ □□□ □□□ □□□□ □□□-□□□ □□□ □□□□ □□ □□□□❍❍